▪ आषाढ़ शुक्ल - 5 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 330 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 30-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 तृणमूल शासन में बंगाल कभी महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हो सकता : मालवीय
6 भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है
7 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' में श्रीतमा मित्रा निभाएंगी डबल रोल

फर्स्ट टेक

उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी, विमान चेन्नई लौटा

चेन्नई/भाषा। हैदराबाद जाने वाली एक निजी विमान सेवा कंपनी के विमान में नेल्लोर के निकट उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी का पता चला जिसके बाद रविवार को विमान चेन्नई लौट आया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैसे ही खराबी का पता चला, पायलट ने अधिकारियों से परामर्श करने के बाद विमान को चेन्नई में सुरक्षित उतार लिया। उन्होंने बताया कि विमान में 159 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे।

एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया गया

पुंछ/जम्मू/भाषा। भारतीय सेना ने रविवार को जम्मू कश्मीर के तारकुंडी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि उसे नियंत्रण रेखा पार कर इस ओर आने का प्रयास करते समय गिरफ्तार किया गया। सेना के अधिकारी फिलहाल पाकिस्तानी नागरिक से पूछताछ कर रहे हैं, जिसकी पहचान मोहम्मद अरीब अहमद के रूप में हुई है। वह कोटली जिले के निकियाल तहसील के डेटोट के रहने वाले मोहम्मद यूसुफ का पुत्र है। सूत्रों ने कहा कि उसके कब्जे से कुछ सामान बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति को जांच और कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

बलूचिस्तान में 5.3 तीव्रता का भूकंप, पांच लोग घायल

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे कम से कम पांच लोग घायल हो गए। मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। अर्धसैनिक बल के अधिकारी तौकीर शाह ने बताया कि भूकंप का केंद्र बरकान शहर के निकट था और यह स्थानीय समयानुसार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे आया। उन्होंने कहा, ''हमारे पास बरकार के पास रारा शाइम इलाके में कम से कम पांच लोगों के घायल होने की सूचना है, जिनमें एक दंपति भी शामिल है।'' वहीं, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप का केंद्र बरकान शहर से लगभग 60 किलोमीटर दूर बताया। मीडिया में आईं शुरुआती खबरों के अनुसार, भूकंप के दौरान करीब 12 घर क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि प्रभावित इलाकों में कई घरों में दरारें आ गईं। कुछ खबरों में दावा किया गया है कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.5 मापी गई।

देशों, संस्कृतियों, लोगों को एक सूत्र में बांधते हैं बुद्ध के विचार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भगवान बुद्ध के विचारों में दुनिया को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है और यही वजह है कि वियतनाम में जब भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पहुंचे तो वहां राष्ट्रीय महोत्सव का माहौल बन गया और डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने इनके दर्शन किये।

मोदी ने रविवार को रेडियो पर प्रसारित अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भगवान बुद्ध के विचारों में वो शक्ति है जो देशों, संस्कृतियों और लोगों को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने कहा, पिछले दिनों मुझे वियतनाम के बहुत से लोगों ने विभिन्न माध्यमों से संदेश भेजे जिनकी हर पंक्ति में श्रद्धा, आत्मीयता और मन को छूने वाली भावनाएं थीं। वो लोग भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन कराने के लिए भारत के प्रति अपना आभार प्रकट कर रहे थे। उनके शब्दों में जो भाव थे वो किसी औपचारिक धन्यवाद से बढ़कर थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मूल रूप से भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों की खोज आंध्र प्रदेश में पालनाडू जिले के नागार्जुनकोंडा में हुई थी। इस जगह का बौद्ध धर्म से गहरा नाता रहा है।

पीढ़ियों को बचाना है पेड़ लगाना : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा है कि यह आने वाली पीढ़ियों को बचाने के लिये है। मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 123 कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कि पर्यावरण बचाने में सब का योगदान धरती के लिए बड़ी ताकत बन रहा है। श्री मोदी ने पुणे के श्री रमेश खरमाले का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ दो महीनों में 70 खड्ड बना डाले। उन्होंने कई सारे छोटे तालाब बनाए और सैकड़ों पेड़ लगाए हैं। वह एक ऑक्सीजन पार्क भी बनवा रहे हैं। इससे पक्षी लौटने लगे हैं और वन्य जीवन को नई सांसें मिल रही हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि गुजरात के अहमदाबाद शहर में यहाँ नगर निगम ने ' मिशन फार मिलियन ट्री' अभियान शुरू किया है। इसका लक्ष्य लाखों पेड़ लगाना है। इस अभियान के अंतर्गत ' सिंदूर वन' बनाया जा रहा है। यह वन ऑपरेशन सिंदूर के वीरों को समर्पित है।

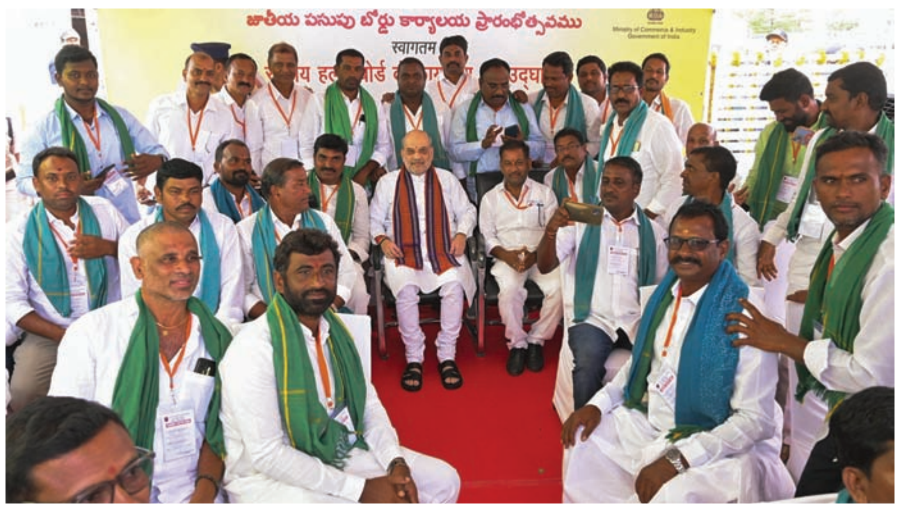

शाह ने माओवादियों से हथियार छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ **अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो हमने तय किया है कि 31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा।**

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माओवादियों के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इनकार करते हुए रविवार को कहा कि प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ताओं को हथियार छोड़ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए।

तेलंगाना के निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठा रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इसके प्रभाव को समझने के लिए पाकिस्तान की कमजोर हालत देखनी चाहिए। शाह ने कहा, ''कांग्रेस (केंद्र से) इन लोगों (माओवादियों) से बातचीत करने को कहती है। हमारी सरकार की हथियार रखने वालों से 'बात नहीं करने' की नीति है। हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों।''

उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर में करीब 10,000 लोगों ने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। शाह ने कहा कि इन लोगों ने तालुक स्तर से लेकर राज्य विधानसभाओं तक के पदों के लिए हुए चुनावों में भी हिस्सा लिया। इसी तरह पिछले डेढ़ साल में 2,000 से ज़्यादा माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। गृह मंत्री ने कहा, हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो। अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो हमने तय किया है कि 31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आदिवासी इलाकों में नक्सली हिंसा में पिछले चार दशकों में 40,000 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि कई आदिवासियों ने अपने अंग या यहां तक कि अपनी जान भी गवां दी।

आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को हमेशा याद किया जाना चाहिए : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल के दौरान लोगों पर अत्याचार को लेकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए रविवार को अपने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में आपातकाल का विरोध करने वाले प्रमुख नेताओं की टिप्पणियां सुनाईं और कहा कि इन्हें हमेशा याद रखा जाना चाहिए क्योंकि इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने की प्रेरणा मिलती है। मोदी ने अपने 'मन की बात' बात कार्यक्रम में कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लगाया, ''उन्होंने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था।'' मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पार्टी का नाम लिए बिना आपातकाल के दौर की ज्यादतियों के लिए कांग्रेस की निंदा की। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि जन-भागीदारी की शक्ति से, बड़े-बड़े संकटों का मुकाबला किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको एक ऑडियो सुनाता हूं, इस ऑडियो में आपको उस संकट की भयावहता का अंदाजा लगेगा। वो संकट कितना बड़ा था, पहले वो सुनिए, समझिए।'' ऑडियो में आपातकाल के बाद प्रधानमंत्री रहे मोरारजी देसाई की आवाज थी, जिन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी शासन का ''उत्पीड़न'' कई वर्षों से जारी था, लेकिन आपातकाल लागू होने के बाद अंतिम दो वर्षों में यह अपने चरम पर पहुंच गया। देसाई ने कहा, ''लोगों के स्वतंत्रता के हक छीन लिए गए, अखबारों को कोई स्वतंत्रता न रही। अदालत बिल्कुल निर्बल बना दिए गए और जिस ढंग से एक लाख से ज्यादा लोगों को जेल में बंद कर दिया और फिर मनमाना राज होता रहा।

आंध्र प्रदेश में विशाखा एक्सप्रेस में डकैती की कोशिश नाकाम

पिडुगुराल्ला (आंध्र प्रदेश)/भाषा। सिकंदराबाद से भुवनेश्वर के बीच चलने वाली विशाखा एक्सप्रेस में रविवार तड़के पालनाडु जिले के तुम्माला चेरुवु के पास डकैती की कोशिश नाकाम कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रविवार को तड़के 3:30 से 3:45 बजे के बीच दो अज्ञात संदिग्धों ने अलार्म चेन खींची। मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सुरक्षा पुलिस जांच के लिए ट्रेन से उतरी लेकिन तब तक अपराधी खेतों की तरफ भाग गए। चेतावनी के बावजूद उन्होंने पुलिस पर पत्थर फेंके। उन्हें रोकने के लिए सुरक्षा कर्मियों ने 9 एमएम पिस्तौल से पांच राउंड और .303 राइफल से चार राउंड गोलियां हवा में चलायीं। गुंटूर रेलवे डीएसपी बी अक्केश्वर राव ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, घटना के दौरान कोई घायल नहीं हुआ और न ही किसी यात्री को कोई नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि ट्रेन 10 मिनट रुकने के बाद फिर से रवाना हो गई।

श्री गुंडिचा मंदिर के निकट भगदड़ में तीन लोगों की मौत, 50 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के निकट रविवार को मची भगदड़ में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना तड़के लगभग चार बजकर 20 मिनट पर हुई जब हजारों श्रद्धालु रथ यात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के निकट एकत्र हुए थे।

श्री गुंडिचा मंदिर को भगवान का मौसी का घर माना जाता है। यह मंदिर 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर से 2.6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हर साल भगवान जगन्नाथ मंदिर से अपनी मौसी के घर यानी श्री गुंडिचा मंदिर जाते हैं।

पुलिस के अनुसार, अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रकों के, भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथों के पास भीड़भाड़ वाले स्थान पर घुसने के बाद अफरा-तफरी मच गयी। अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवताओं की एक झलक पाने के लिए तड़के से ही मंदिर के बाहर एकत्र हो गए थे, क्योंकि अनुष्ठान के तहत भगवान के चेहरों पर से पाहुड़ा (कपड़ा) हटाया जाना था।

भगदड़ के बाद कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वैन और एसपी विनीत अग्रवाल का तबादला करने का आदेश दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि माझी ने दो पुलिस अधिकारियों- डीसीपी बिष्णु पति और कमांडेंट अजय पाधी को निलंबित करने की भी घोषणा की।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के दावे को किया खारिज

काबुल/भाषा। अफ़गानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की उस टिप्पणी को खारिज किया है जिसमें दावा किया था कि पाकिस्तान के खिलाफ़ कार्रवाई करने के लिए भारत अफ़गानिस्तानी क्षेत्र का इस्तेमाल कर रहा है। टोलो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक अमीरात के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत ने ज़ोर देकर कहा कि कार्यवाहक सरकार, अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की अपनी नीति के आधार पर, किसी को भी किसी देश के खिलाफ़ कोई कार्रवाई या अभियान चलाने के लिए अपनी भूमि का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देती है।

30-06-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे	01-07-2025 सूर्योदय 5:46 बजे
BSE 84,058.90 (+303.03)	NSE 25,637.80 (+88.80)
सोना 10,031 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 119,000 रु. प्रति किलो

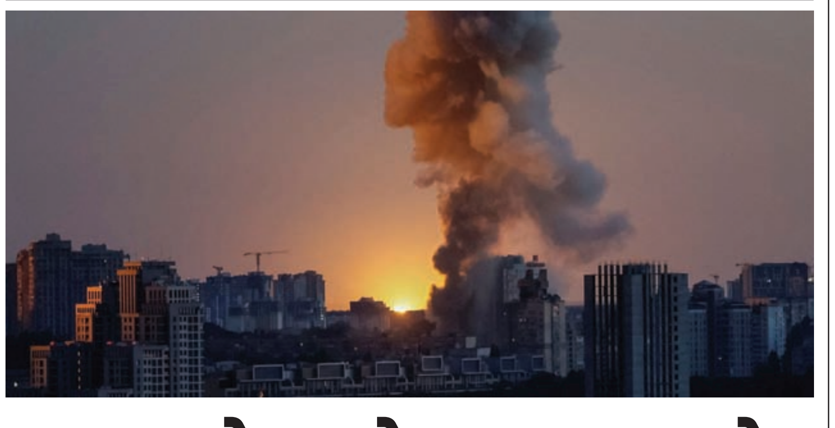

रूस ने यूक्रेन पर सबसे घातक हवाई हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने शनिवार और रविवार की दरमियानी रात यूक्रेन पर अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया। यूक्रेन के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

रूस का यह हमला एक अभियान का हिस्सा है, जिससे तीन वर्ष से जारी युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों को झटका लगा है। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने यूक्रेन पर 477 ड्रोन और 60 मिसाइल दागीं।

सेना के मुताबिक इनमें से 249 को मार गिराया गया और 226 इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम कर दिए गए।

यूक्रेन की वायु सेना के संचार प्रमुख यूरी इहनात ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि रात में किया गया हमला देश पर 'सबसे बड़ा हवाई हमला' था, जिसमें ड्रोन और विभिन्न प्रकार की मिसाइल दागी गईं।

सेना के मुताबिक इस हमले में यूक्रेन के पश्चिमी इलाकों समेत पूरे देश को निशाना बनाया गया, जो अग्रिम पंक्ति से बहुत दूर है।

पोलैंड की वायु सेना ने रविवार को बताया कि पोलैंड और सहयोगी देशों ने उसके (पोलैंड के) हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विमान भेजे। खेरसॉन क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्सेंडर प्रोकुडिन ने बताया कि ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

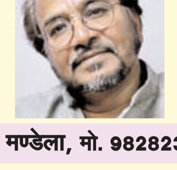

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बहरुपिए

जय लिंगायत जय भीम कभी,
जय जय श्री राम लगा नारे।
जय शिव भोले जय जिनवाणी,
'धन निरंकार' धुन उचारे।
चादरें चढ़ा पूजा करते,
टोपी पगड़ी सब स्वीकारे।
वोटों खातिर बहरुपियों ने,
देखो कितने बानक धारे।।

रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में कल से बड़ा बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में एक जुलाई से बड़ा बदलाव करने जा रही है जिसके फलस्वरूप टिकट बुकिंग क्षमता में विस्तार और तत्काल टिकट बुकिंग में उपयोगकर्ता के आधार से प्रमाणीकरण के साथ साथ आरक्षण चार्ट बनाने का तरीका भी बदला जा रहा है।

आधिकारिक सूत्रों ने यहां कहा कि भारतीय रेल यात्रियों के संपूर्ण यात्रा अनुभव को यात्री-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलयात्रा की शुरुआत टिकट आरक्षण से होती है और इसे सरल व सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे कई कदम उठा रही है।

हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सुधारों की समीक्षा की थी और निर्देश दिए थे कि टिकटिंग प्रणाली को स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी होना चाहिए। योजना निर्माण में यात्री सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि यात्रियों को एक सहज और आरामदायक अनुभव मिल सके।

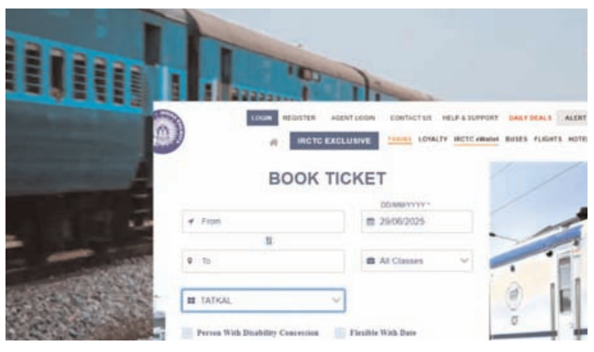

चार्ट ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा

सूत्रों के अनुसार नई चार्टिंग प्रणाली से यात्रा योजना में यात्रियों को तैयारी करने में अधिक सुविधा होगी। वर्तमान व्यवस्था में अभी आरक्षण चार्ट ट्रेन प्रस्थान के चार घंटे पहले बनाया जाता है जिससे यात्रियों में अनिश्चितता बनी रहती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो आस-पास के क्षेत्रों से ट्रेन पकड़ने आते हैं। अब नई प्रणाली के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रस्ताव किया है कि चार्ट ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाए। यदि ट्रेन अपराह्न दो बजे से पहले प्रस्थान करती है तो चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे ही तैयार कर लिया जाएगा। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव से सहमति जतायी है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई व्यवधान न हो।

सूत्रों ने कहा कि इससे वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को स्थिति का जल्दी पता चलेगा और वैकल्पिक व्यवस्था के लिए अधिक समय मिलेगा। यह विशेष रूप से दूर-दराज़ या शहरी उपनगरों से आने वाले यात्रियों को लाभ देगा।

नई और आधुनिक यात्री आरक्षण प्रणाली

सूत्रों के अनुसार दिसंबर 2025 तक नई और आधुनिक यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) लागू हो जाएगी। रेल मंत्री ने नई पीआरएस प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की है। इस परियोजना पर पिछले कुछ महीनों से क्रिस कार्य कर रहा है। नई प्रणाली अधिक लचीली, सक्षम और मौजूदा लोड से दस गुना अधिक संभालने में सक्षम होगी। टिकट बुकिंग क्षमता वर्तमान 32 हजार प्रति मिनट से बढ़कर 1.5 लाख टिकट प्रति मिनट होगी। पूछताछ क्षमता चार लाख से बढ़कर 40 लाख प्रति मिनट होगी। नई सुविधाओं में बहुभाषी और यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस, सीट विकल्प चुनने की सुविधा, किराया कैलेंडर, दिव्यांगजन, छात्र, रोगियों आदि के लिए एकीकृत विकल्प शामिल होंगे।

रेलवे ने हाल ही में तत्काल टिकट बुकिंग के लिए सुदृढ़ प्रमाणीकरण प्रणाली की घोषणा की है। इसके अनुसार रेलवे एक जुलाई से आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप पर तत्काल टिकट केवल प्रमाणित उपयोगकर्ताओं को बुक करने की अनुमति देगा। जुलाई अंत तक ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण अनिवार्य किया जाएगा।

रेल मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि तत्काल बुकिंग के लिए प्रमाणीकरण व्यवस्था का विस्तार किया जाए। यह प्रमाणीकरण आधार या डिजीलॉकर में उपलब्ध किसी भी सरकारी पहचान पत्र के माध्यम से किया जाएगा।

झारखंड: भारी बारिश के बाद जलमग्न आवासीय स्कूल से 162 छात्र सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में भारी बारिश के कारण जलमग्न हुए एक निजी आवासीय विद्यालय से 162 छात्रों को पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने रविवार को सुरक्षित बाहर निकाला। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

कोवाली थाना क्षेत्र के हल्दीपोखर-कोवाली रोड पर पांडरसोली स्थित स्कूल में भारी बारिश के कारण पानी भर जाने से छात्र शनिवार रात से ही फंसे हुए थे।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ऋषभ गर्ग ने बताया हमें जानकारी मिली कि भारी बारिश के कारण जलमग्न हुए लव कुश आवासीय विद्यालय में 162 छात्र फंस गए थे जिसके बाद शिक्षकों ने सभी छात्रों को छत पर स्थानांतरित कर दिया, जहां उन्होंने रात बिताई। आज सुबह करीब साढ़े पांच बजे सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी और अग्निशमन दल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से एक-एक करके छात्रों को बचाया गया। गर्ग ने बताया कि इस बचाव अभियान में नौकाओं का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम को बुलाया गया था। हालांकि, उनके पहुंचने से पहले ही सभी छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया गया। कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान ने बताया कि विद्यालय का एकमंजिला भवन पूरी तरह जलमग्न हो गया था और इसे अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय छात्रों को उनके घर भेज दिया गया है, जबकि शेष छात्रों को उनके जिलों - दुमरिया, घाटशिला, मुसाबनी और जमशेदपुर में स्थित घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है।

जनगणना का पहला चरण एक अप्रैल 2026 से घरों की गिनती के साथ होगा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में आगामी जनगणना के लिए घरों की गिनती का कार्य एक अप्रैल, 2026 से शुरू होगा, जो इस दशकीय प्रक्रिया के पहले चरण की शुरुआत होगी। भारत के महापंजीयक ने यह जानकारी दी है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में, भारत के जनगणना आयुक्त और महापंजीयक मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि घरों का सूचीकरण अभियान और आवास गणना एक अप्रैल, 2026 से शुरू होगी। पत्र में कहा गया है कि उससे पहले राज्यों एवं जिला प्रशासन के सहयोग से पर्यवेक्षकों एवं गणकों की नियुक्ति की जाएगी तथा उनके बीच कामों का विभाजन किया जाएगा।

जनगणना दो चरणों में होगी। पहले चरण में यानी घरों के सूचीकरण अभियान (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी। पत्र के अनुसार, इसके बाद दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में हर घर में प्रत्येक व्यक्ति का जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण एकत्र किया जाएगा और यह चरण एक फरवरी, 2027 से शुरू होगा।

एक सरकारी बयान में कहा गया था कि जनगणना में जातियों की भी गिनती की जाएगी। जनगणना कार्य के लिए 34 लाख से अधिक गणक और पर्यवेक्षक तथा लगभग 1.3 लाख जनगणना कार्यकर्ता तैनात किए जाएंगे। यह अब तक की 16वीं और आजादी के बाद आठवीं जनगणना है। आगामी जनगणना 'मोबाइल एप्लीकेशन' की मदद से डिजिटल माध्यम से की जाएगी। लोगों को स्व-गणना का प्रावधान भी उपलब्ध कराया जाएगा। महापंजीयक और जनगणना आयुक्त कार्यालय ने नागरिकों से पूछे जाने वाले लगभग तीन दर्जन प्रश्न तैयार किए हैं।

सर्वेक्षण के दौरान विभिन्न घरों में फोन, इंटरनेट, वाहन (साइकिल, स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार, जीप, वैन) और उपकरणों (रेडियो, टीवी, ट्रांजिस्टर) आदि के स्वामित्व के बारे में पूछा जाएगा। लोगों से अनाज उपभोग, पेयजल और प्रकाश के स्रोत, शौचालयों के प्रकार और सुलभता, अपशिष्ट जल निपटान, स्नान और रसोई की सुविधाओं, खाना पकाने के लिए प्रयुक्त ईंधन और एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन के बारे में भी पूछा जाएगा।

भारत ने 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के हल्दी निर्यात का लक्ष्य रखा: अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र ने 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के हल्दी निर्यात का लक्ष्य रखा है।

निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड पैकिंग, ब्रांडिंग, विपणन और हल्दी के निर्यात पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कहा कि हल्दी बोर्ड किसानों के लिये लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने, उनके उत्पाद के निर्यात, साथ ही अनुसंधान और विकास के लिए कार्य करेगा।

शाह ने कहा, ''आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि भारत सरकार ने 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के हल्दी निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। हमने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के (हल्दी) निर्यात के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तैयारी भी कर ली है। जो (हल्दी) बोर्ड बनेगा, वह यह सुनिश्चित करने के लिये कार्य करेगा कि हल्दी का उच्चतम मूल्य किसानों तक पहुंचे।'' शाह ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना में हल्दी बोर्ड स्थापित करने का वादा किया था और इस संबंध में आदेश बाद में जारी किए गए थे। इससे पहले, हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर अमित शाह के पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और अन्य नेताओं ने उनकी अगवानी की। भाजपा की तेलंगाना इकाई ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले हल्दी बोर्ड की स्थापना की घोषणा की थी और अब उन्होंने किसानों के सपने को पूरा किया है। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हल्दी की फसल की गुणवत्ता में सुधार, अनुसंधान और किसानों की आय में सुधार के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

एंटी-रैगिंग मानदंडों का पालन न करने पर

यूजीसी की 'डिफॉल्टर' सूची में रखे गए चार आईआईटी, तीन आईआईएम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और तीन भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रैगिंग रोधी मानदंडों का पालन नहीं करने के कारण 'डिफॉल्टर' सूची में रखे गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूजीसी ने देशभर के 89 संस्थानों को एंटी-रैगिंग मानदंडों के अनिवार्य अनुपालन का शपथ पत्र जमा न करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 'डिफॉल्टर' सूची में आईआईटी, आईआईएम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) सहित राष्ट्रीय महत्व के 17 संस्थान शामिल हैं।

'डिफॉल्टर' आईआईटी में आईआईटी बंबई, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी पलक्कड़ और आईआईटी हैदराबाद हैं। इसी तरह, आईआईएम बंबई, आईआईएम रोहतक और आईआईएम तिरुचिरापल्ली भी सूची में हैं।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का 'रेड अलर्ट', रातभर वर्षा के बाद शिमला-कालका रेल लाइन बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार को हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया, वहीं रात भर हुई बारिश के बाद पटरियों पर पत्थर और पेड़ गिरने से शिमला-कालका रेल लाइन पर सेवाएं निलंबित कर दी गईं।

शिमला और चंडीगढ़ को जोड़ने वाले शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-5) पर कोटी के निकट भूस्खलन से सड़क के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके परिणामस्वरूप यातायात प्रभावित हुआ। सोलन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव सिंह ने रविवार को कहा कि भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हुए एनएच 5 पर चक्की मोड़ के पास यातायात बहाल कर दिया गया है और पुलिस दल यातायात की आवाजाही में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जंगेशु मार्ग पर भी मलबा गिरने से वैकल्पिक रास्ता बंद है, जिसे साफ किया जा रहा है। रास्ता साफ होने पर, कसौली से चंडीगढ़ की ओर जाने वाले यातायात को जंगेशु के रास्ते भेजा जाएगा। राज्य के 12 जिलों में से 10 जिलों- बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन, सिरमौर, ऊना, कुल्लू और चंबा के लिए 29 जून को भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम विभाग ने भूस्खलन, जलभराव, कमजोर ढांचों को नुकसान, यातायात जाम और आवश्यक सेवाओं में व्यवधान की चेतावनी दी है। वर्ष 2023 में भारी बारिश के कारण राज्य में भारी नुकसान हुआ था, जब मौसम विभाग ने जुलाई और अगस्त के महीनों में 'रेड अलर्ट' जारी किया था। हिमाचल प्रदेश में अब तक की सबसे भीषण मानसून आपदा में 550 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

जोमैटो के संस्थापक दीपिंदर गोयल की विमानन क्षेत्र पर नजर

एलएटी एयरोस्पेस के साथ बढ़ सकते हैं आगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर भोजन पहुंचाने वाली कंपनी जोमैटो के सह-संस्थापक दीपिंदर गोयल अब एलएटी एयरोस्पेस के साथ क्षेत्रीय हवाई यात्रा खंड में संभावनाएं तलाश रहे हैं। एयरोस्पेस स्टार्टअप की सह-संस्थापक सुरभि दास ने एक लिंक्डइन पोस्ट में यह जानकारी दी।

विमानन उद्यम पर गोयल का दांव भारत में क्षेत्रीय हवाई यात्रा को फिर से परिभाषित कर सकता है, जो अभी शुरुआती चरण में है।

दास ने पोस्ट में कहा, ''जोमैटो बनाने और पूरे भारत में उड़ान भरने के दौरान, दीपिंदर और मैं एक ही बात बार-बार सोच रहे थे कि क्षेत्रीय हवाई यात्रा अब भी इतनी बिखरी क्यों है - अगर आप महानगरों में नहीं रहते तो यह महंगी, कम और ज्यादातर पहुंच से बाहर है। भारत में 450 से ज़्यादा हवाई पट्टियां हैं - लेकिन सिर्फ 150 पर ही वाणिज्यिक उड़ानें होती हैं। इसका मतलब है कि हमारी विमानन क्षमता का लगभग दो-तिहाई हिस्सा बर्बाद हो रहा है।'' उन्होंने आगे कहा कि दूसरी ओर दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में लाखों लोग सड़क या रेल से यात्रा करने में घंटों, कभी-कभी पूरा दिन बिता देते हैं।

एलएटी एयरोस्पेस को बनाने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि आसमान में ऐसी बसों के बारे में सोचिए, जो सस्ती, उच्च-आवृत्ति वाली और उन जगहों को जोड़ने के लिए बनाई गई है, जिन्हें एयरलाइन उद्योग ने अनदेखा कर दिया है।

हिंदी विवाद: महाराष्ट्र सरकार ने 'त्रि-भाषा' नीति पर सरकारी आदेश को रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच रविवार को राज्य मंत्रिमंडल ने 'त्रि-भाषा' नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाषा नीति के कार्यान्वयन और आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। फडणवीस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे ने कक्षा 1 से 12 तक तीन-भाषा की नीति लागू करने के लिए डॉ. रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था और नीति के कार्यान्वयन पर एक समिति गठित की थी। फडणवीस ने कहा, ''राज्य मंत्रिमंडल ने पहली कक्षा से 'त्रि-भाषा' नीति के क्रियान्वयन के संबंध में अप्रैल और जून में जारी दो सरकारी आदेश (जीआर) वापस लेने का निर्णय लिया है। (त्रि-भाषा नीति के) क्रियान्वयन की सिफारिश के लिए डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी।'' फडणवीस सरकार ने 16 अप्रैल को आदेश जारी किया था, जिसमें अंग्रेजी और मराठी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाया गया था। हालांकि, विरोध बढ़ने पर सरकार ने 17 जून को संशोधित सरकारी आदेश जारी किया, जिसमें हिंदी को वैकल्पिक भाषा बनाया गया।

हम हिंदी का विरोध नहीं करते, सिर्फ उसे थोपे जाने के खिलाफ हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी हिंदी का विरोध नहीं करती, बल्कि इसे ''थोपे जाने'' के खिलाफ है। दक्षिण मुंबई में एक विरोध-प्रदर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने यह बात कही।

इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान 17 जून के उस सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई गईं, जिसमें स्कूलों के लिए तीन भाषा नीति संबंधी निर्देश जारी किया गया था। इस विरोध-प्रदर्शन में कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, कांग्रेस के पूर्व सांसद भालचंद्र मुंगेकर, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नेता नितिन सरदेसाई, शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे और संजय राउत शामिल हुए। शिवसेना (उबाठा) ने पूरे राज्य में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए। ठाकरे ने कहा, हमने सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई हैं, जिसका मतलब है कि हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम हिंदी का विरोध नहीं करते, लेकिन हम इसे थोपे जाने की अनुमति नहीं देंगे।

शिंदे ने शिवसेना(उबाठा)-मनसे की करीबी को लेकर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर उनकी पार्टी की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ बढ़ती नजदीकी को लेकर परोक्ष हमला किया। मनसे का नेतृत्व उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकरे करते हैं।

शिवसेना प्रमुख शिंदे यहां शिवसेना (उबाठा) के पूर्व नासिक प्रमुख विलास शिंदे, 30 सरपंचों और कई पूर्व पार्षदों का पार्टी में स्वागत करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिंदे ने कहा, ''एक नेता (उद्धव) उस पार्टी (मनसे) से संपर्क कर रहे हैं, जिसे उन्होंने अतीत में बुरी तरह कोसा था। उनकी पार्टी में हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर दलबदल देखने को मिला है।'' गत करीब दो दशक से अलग-अलग राह पर चल रहे चचेरे भाई उद्धव और राज ठाकरे ने कहा था कि वे मराठी भाषा के मुद्दे पर एकजुट होंगे, क्योंकि उनके दल हिंदी को ''थोपने'' और कक्षा 1-5 के लिए राज्य सरकार के त्रि-भाषा फार्मूले के खिलाफ पांच जुलाई को संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन करेंगे। शिंदे ने यह भी विश्वास जताया कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र के आगामी नगर निगम चुनावों में नासिक में जीत हासिल करेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अविभाजित शिवसेना ने 2019 में महा विकास आघाडी (एमवीए)के बैनर तले कांग्रेस से हाथ मिलाकर अपने संस्थापक बाल ठाकरे और हिंदुत्व को धोखा दिया। शिंदे ने 2022 में उद्धव के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था और पार्टी को विभाजित कर दिया और बाद में पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न उन्हें प्राप्त हुआ।

देश को गुमराह किया : कांग्रेस ने 'लड़ाकू विमान के नुकसान' संबंधी बयान पर सरकार पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को इंडोनेशिया में भारत के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की कथित टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय वायु सेना को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के हाथों अपने लड़ाकू विमानों का नुकसान उठाना पड़ा।

कांग्रेस ने सरकार पर इस मामले में देश को ''गुमराह'' करने का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी पूछा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने से क्यों इनकार कर रहे हैं और संसद के विशेष सत्र की मांग क्यों खारिज कर दी गई? कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें कैप्टन शिवकुमार (भारतीय नौसेना) के हाल ही में इंडोनेशिया में दिए गए एक संबोधन का हवाला दिया गया है। कैप्टन शिवकुमार ने कथित तौर पर इंडोनेशिया में एक सम्मेलन के दौरान कहा है कि भारतीय वायु सेना को सात मई, 2025 की रात को पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाने के दौरान लड़ाकू विमानों का नुकसान उठाना पड़ा था। मीडिया रिपोर्ट में सामने आई कुमार की टिप्पणी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है, और इस पर सरकार या रक्षा प्रतिष्ठान की ओर से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) सिंगापुर में महत्वपूर्ण खुलासे करते हैं। फिर एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी इंडोनेशिया में ऐसे ही दावे करते हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''लेकिन प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने और विपक्ष को विश्वास में लेने से क्यों इनकार कर रहे हैं? संसद के विशेष सत्र की मांग को क्यों खारिज कर दिया गया?''

नवी मुंबई में नवजात बच्ची लावारिस हालत में टोकरी में मिली

अभिभावकों ने 'सॉरी' नोट छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नवी मुंबई के पनवेल इलाके में तीन दिन की एक नवजात बच्ची को लावारिस हालत में टोकरी में छोड़ दिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

बच्ची के साथ एक नोट भी मिला है, जिसमें उसके माता-पिता ने आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते उसे पालने में असमर्थ होने की बात लिखी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को पनवेल क्षेत्र के टक्का कॉलोनी में सड़क किनारे नीले रंग की टोकरी में एक नवजात बच्ची को देख एक स्थानीय निवासी ने पुलिस को सूचना दी। एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि टोकरी में एक नोट भी मिला है, जो अंग्रेजी में लिखा गया है। इसमें बच्ची के माता-पिता ने लिखा है कि वे बेहद गरीब हैं और बच्ची को पालने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने नोट में सॉरी लिखते हुए खेद भी जताया है।

पुलिस ने बच्ची को तुरंत एक शिशु चिकित्सक के पास पहुंचाया, जहां जांच में उसकी हालत स्थिर पाई गई। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के माता-पिता की तलाश की जा रही है।

अजित पवार ने हिंदी भाषा विवाद पर कहा

मोर्चा की जरूरत न पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिये प्रयास जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि 'त्रि-भाषा' नीति के खिलाफ पांच जुलाई को 'मोर्चा' आयोजित करने की जरूरत न पड़े, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र की पूर्व संध्या पर स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी भाषा को ''थोपने'' के खिलाफ विपक्ष के विरोध के बीच अजित पवार का यह आश्वासन आया है।

शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी ''थोपे जाने'' के खिलाफ मुंबई में एक 'मोर्चा' आयोजित करने की घोषणा की है। सरकार ने 17 जून को एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया है कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को हिंदी ''सामान्य रूप से'' तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि हिंदी भाषा छात्रों के लिए अनिवार्य नहीं है और भाषा को ''थोपे जाने'' के विपक्ष के आरोप को खारिज कर दिया। अजित पवार ने पत्रकारों को विस्तार से बताए बिना कहा, ''यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि मोर्चा निकालने की आवश्यकता न पड़े।'' राकांपा प्रमुख ने पहली कक्षा के बजाय पांचवीं कक्षा से हिंदी भाषा पढ़ाने की बात दोहराई। उन्होंने कहा, ''प्राथमिक स्कूल के छात्रों के लिए मराठी और अंग्रेजी भाषा (सीखना) अनिवार्य किया जाना चाहिए। जो लोग मराठी पढ़ना और लिखना जानते हैं, वे तेजी से हिंदी सीख सकते हैं।'' अजित पवार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार में कोई तो है, जो इसका विरोध करने की हिम्मत दिखा रहा है, और हर कोई ''गुलाम नहीं बन गया है।'' ठाकरे ने कहा, ''उन्हें (सरकार को) मोर्चा निकालने की जरूरत समझ में नहीं आई। मराठी के साथ अन्याय हो रहा है। अजित पवार को भी यह बताना चाहिए कि बिना उचित अध्ययन किए यह फैसला क्यों थोपा गया।''

वन में रहने वाले समुदायों के अधिकारों को दी गई मान्यता को नजरअंदाज नहीं कर सकते : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को छत्तीसगढ़ में एक कोयला खनन परियोजना को पर्यावरण मंजूरी दिये जाने को लेकर केंद्र की आलोचना की और कहा कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत वनों में रहने वाले समुदायों के अधिकारों को दी गई मान्यता को नजरअंदाज नहीं जा सकता।

पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने कहा कि 15 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की दो सदस्यीय भोपाल पीठ ने 209 पन्नों का फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के गारे पाल्मा, सेक्टर-2 में कोयला खनन के लिए 11 जुलाई 2022 को दी गई पर्यावरण मंजूरी को रद्द कर दिया था। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) रमेश ने कहा कि यह खुली खदान 14 गांवों में 6,300 एकड़ से अधिक भूमि पर फैली है जिसमें से करीब आठ प्रतिशत हिस्सा समृद्ध वन क्षेत्र है। रमेश ने कहा, ''फैसला विस्तृत था और निष्कर्ष यह था: पर्यावरण मंजूरी देने के लिए कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अक्षरशः पालन नहीं किया गया।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें कहा गया है कि निर्धारित कानून के अनुसार सार्वजनिक सुनवाई की आवश्यकता पूरी नहीं की गई।

रमेश ने फैसले का हवाला देते हुए कहा,''इस परियोजना के जनस्वास्थ्य, जलविज्ञान और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर समग्र प्रभाव का न तो समुचित मूल्यांकन किया गया और न ही उचित रूप से विचार किया गया।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन केवल कुछ महीनों के भीतर, इस परियोजना को फिर से पर्यावरणीय स्वीकृति दे दी गई। अब इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई शुरू हो चुकी है। क्या हमें इस पर हैरानी और स्तब्ध होना चाहिए? शायद नहीं, क्योंकि इस खदान का संचालक और डेवलपर अदाणी समूह है।'' उन्होंने कहा कि सबसे अहम, वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकारों की कोई भी प्रकिया को आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता है।

श्रीलंकाई नौसेना ने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने रविवार को द्वीपीय देश के जलक्षेत्र में कथित तौर पर अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौका जब्त कर ली। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।

नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ये गिरफ्तारियां मन्नार के उत्तर में तलाशी अभियान के दौरान की गईं।

इसमें कहा गया है कि आठ मछुआरों को कानूनी कार्रवाई के लिए मन्नार स्थित मत्स्य निरीक्षणालय को सौंप दिया जायेगा। इसमें कहा गया है, उत्तर मध्य नौसेना कमान ने आज तड़के श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने वाली नौकाओं के एक समूह को देखा। इसके बाद कमान ने मन्नार के उत्तर में द्वीप के जलक्षेत्र से मछली पकड़ने वाली भारतीय नौकाओं को खदेड़ने के लिए गश्ती दल को तैनात किया।

भारत और श्रीलंका दोनों देशों के मछुआरों को एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने केंद्र से मांगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को केंद्र से कहा कि श्रीलंका ने आठ मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है और ऐसे में वह उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करे। विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर स्टालिन ने कहा, मैं आपका ध्यान भारतीय मछुआरों, विशेषकर तमिलनाडु के मछुआरों की आजीविका और सुरक्षा को प्रभावित करने वाले गंभीर चिंता के मामले की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी खबर है कि श्रीलंकाई अधिकारियों ने 29 जून, 2025 को रामेश्वरम के आठ मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और मछली पकड़ने वाली उनकी नौका जब्त कर ली उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के कारण नौकाएं और उपकरण नष्ट हो जाते हैं, लोगों को लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने से प्रभावित परिवारों को भारी मनोवैज्ञानिक संत्रास होता है।

स्टालिन ने विदेश मंत्री से कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि पकड़े गए मछुआरों और उनकी नाव की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र हस्तक्षेप करें। उन्होंने कहा, यह देखते हुए कि मछली पकड़ने का मौसम अभी शुरू ही हुआ है, मैं मंत्रालय से अपील करता हूं कि वह मछली पकड़ने से संबंधित मुद्दों से निपटने में संयम और आपसी समझ सुनिश्चित करने के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ सक्रिय कूटनीतिक बातचीत शुरू करे।

अच्छी आवक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इन दिनों मानसून के चलते कावेरी नदी में बारिश के पानी की अच्छी आवक के चलते बांध अपने उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। पर्याप्त जल होने के चलते रविवार को कावेरी नदी के मेट्टूर डेम के सभी दरवाजे खोल दिए गए। बांध से निकलते पानी का सुहाना दृश्य लोगों ने देखा।

स्कूलों में जुम्बा को लेकर केरल सरकार अडिग, आलोचना को किया खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने रविवार को स्कूलों में जुम्बा शुरू करने के राज्य के फैसले का दृढ़ता से बचाव किया और कुछ मुस्लिम धार्मिक संगठनों की आलोचना को खारिज करते हुए चेतावनी दी कि शैक्षणिक गतिविधियों को सांप्रदायिक रंग देना स्वीकार्य नहीं होगा। शिवनकुट्टी ने संवाददाताओं से कहा, जुम्बा एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल है, जिसमें देश भर से लाखों लोग भाग लेते हैं। कार्यक्रम के खिलाफ कुछ धार्मिक समूहों की आलोचना का उल्लेख करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि खेल में भाग लेने वाले सभी लोगों को अपमानजनक टिप्पणियों से अपमानित किया गया है।

शिवनकुट्टी ने कहा, जिन लोगों ने ऐसी टिप्पणियां की हैं, उन्हें अपनी टिप्पणियां वापस लेनी चाहिए और सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कुछ धार्मिक समूहों द्वारा स्कूल पाठ्यक्रम में जुम्बा को शामिल करने का बढ़ते विरोध के बीच मीडिया द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते समय यह बयान दिया। मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता अभियान के तहत शुरू किए गए इस कार्यक्रम को सभी राजनीतिक दलों से समर्थन और आलोचना दोनों मिल रही है।

शिवनकुट्टी ने रविवार को राज्य सचिवालय के सामने कार्यक्रम के समर्थकों द्वारा आयोजित जुम्बा प्रदर्शन में भाग लेकर इस मामले पर वाम सरकार की स्थिति स्पष्ट कर दी। उनकी उपस्थिति से यह कड़ा संदेश गया कि सरकार अपना निर्णय नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा, स्कूलों में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित सभी निर्णय निर्वाचित सरकार द्वारा लिए जाते हैं। किसी अन्य को ऐसे आदेश जारी करने का अधिकार नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि कोई संदेह है तो सरकार चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अगर सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में कोई संदेह है तो सरकार चर्चा के लिए तैयार है। हालांकि, सभी को स्पष्ट रूप से समझ में आने वाले मामलों को सांप्रदायिक रंग देना और इस तरह के बयान देना देश की धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

शिवनकुट्टी ने छात्र-छात्राओं की एकसमान पोशाक और सह-शिक्षा आधारित खेलों को लेकर मचे विवाद को भी तूल दिए जाने वाला बताया। उन्होंने कहा, स्कूल की पोशाक का निर्णय अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) करता है, कोई बाहरी ताकत नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों के पोशाक का निर्णय मान्यता प्राप्त खेल निकाय और सरकार करती है, कोई भी व्यक्ति अपने मन से यह तय नहीं कर सकता। जुम्बा कार्यक्रम को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के निर्देश के बाद स्कूलों में शुरू किया गया था।

स्वागत
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में रविवार को दोपहर में केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह केक हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्य के आदि द्रविड विकास मंत्री माधिवेन्द्र एवं कोयम्बटूर के कलेक्टर पवन कुमार।

केरल में थाने पहुंचा युवक, कहा- मेरे बैग में नवजात शिशुओं के कंकाल हैं

त्रिशूर/भाषा। केरल के त्रिशूर जिले में एक युवक रविवार तड़के नशे की हालत में थाने पहुंचा और दावा किया कि उसके बैग में दो नवजात शिशुओं के कंकाल हैं। पुलिस के अनुसार, युवक ने पुडुक्कड़ थाने में अधिकारियों को बताया कि ये नवजात शिशु एक महिला के साथ उसके संबंधों से पैदा हुए थे। पुलिस के मुताबिक युवक ने दावा किया कि दोनों बच्चों की मौत अलग-अलग समय और स्थान पर हुई थी और उन्हें दफनाया गया था। पुलिस ने बताया कि युवक की उम्र 26 वर्ष है, जबकि संबंधित महिला 21 वर्ष की है। दोनों अविवाहित हैं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, रविवार तड़के करीब 12:30 बजे युवक थाने पहुंचा और कहा कि उसके बैग में दो नवजात बच्चों के अवशेष हैं। अधिकारी ने बताया, युवक ने कहा कि एक बच्चे की मौत चार साल पहले और दूसरे की दो साल पहले हुई थी। हम उसके दावों की पुष्टि कर रहे हैं और फिलहाल इस मामले को संभावित हत्या मामले के रूप में देख रहे हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार, युवक द्वारा बताए गए दो दफन स्थलों एक सार्वजनिक श्मशान और दूसरा निजी भूमि का निरीक्षण किया जाएगा। जांच में फॉरेंसिक विशेषज्ञों और चिकित्सा दल की सहायता ली जाएगी। उन्होंने कहा, ''हम सभी पहलुओं से जांच कर रहे हैं। अभी कहना संभव नहीं है कि यह हत्या का मामला है या नहीं। जांच जारी है।''

केरल में सरकारी अस्पताल में उपकरणों की कमी के बारे में चिकित्सक के खुलासे से विवाद, जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार के स्वामित्व वाले तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शल्य चिकित्सा उपकरणों की कमी और सर्जरी में देरी के बारे में खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख हरीश चिरक्कल ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में इस मुद्दे को उजागर किया था, जिसे उन्होंने बाद में हटा दिया। उन्होंने हालांकि रविवार को पत्रकारों से कहा कि उनकी चिंताएं जायज हैं।

हरीश ने कहा, मैंने जो कहा वह सच था। मैं सच बोलने के बाद छिपना नहीं चाहता। मेरे खुलासे के पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं है। वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा कि उन्होंने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और अस्पताल अधीक्षक समेत वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष बार-बार इस मामले को उठाया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। हरीश ने कहा कि उनकी स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज तक पहुंच नहीं है लेकिन उन्होंने मंत्री के कार्यालय को अपने विभाग और सामान्य रूप से अस्पताल के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में सूचित किया था। उन्होंने कहा, सभी विभागों में समस्याएं हैं। लेकिन कोई भी डर के कारण इसे नहीं उठा रहा है। कई बार, हमारे अनुरोध के आधार पर मरीजों द्वारा स्वयं चिकित्सा उपकरण खरीदने के बाद सर्जरी की गई। हरीश ने कहा कि अस्पताल में उपकरणों की लगातार कमी के कारण वे स्वैच्छिक संगठनों और चिकित्सा कंपनियों से बार-बार संपर्क करके तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसी वजह से उन्हें तंत्र की विफलता का खुलासा करना पड़ा। हरीश ने यह भी चिंता जताई कि उन्हें विजिलेंस जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि उन्हें सर्जरी में देरी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा उपकरण खरीदने को लेकर दूसरे रास्ते अपनाने पड़े थे। इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. हरीश की आलोचना से परहेज किया और उन्हें एक मेहनती व भरोसेमंद चिकित्सा पेशेवर बताया। उन्होंने कहा कि चिकित्सक द्वारा उठाई गई चिंताएं स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के भीतर प्रणालीगत मुद्दों को दर्शाती हैं।

जॉर्ज ने आश्वासन दिया कि चिकित्सक के बयानों की गहन जांच की जाएगी। जॉर्ज ने राज्य में चिकित्सा प्रणाली को बदनाम करने के लिए इस मामले का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा उपकरणों की खरीद में प्रक्रियागत बाधाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि अगर आवश्यक हो तो ऐसे नियमों में ढील दी जानी चाहिए। जॉर्ज ने कहा, प्रक्रियाओं (चिकित्सा उपकरण खरीदने में) में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। हम निश्चित रूप से जांच करेंगे कि क्या इस तरह की देरी यहां हुई है। उन्होंने डॉ. हरीश की रोगी कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और मरीजों की चिंताओं के लिए उनकी मुखरता की भी प्रशंसा की। मंत्री ने सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों के महत्व पर जोर देते हुए यह भी कहा कि 2021 में मुफ्त इलाज का लाभ उठाने वाले कुल रोगियों की संख्या 2.5 लाख थी, तो अब यह बढ़कर 6.50 लाख हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि डॉ. हरीश के खुलासे की व्यापक जांच की जाएगी। चिकित्सक के खिलाफ संभावित अनुशासनात्मक कार्रवाई के बारे में मीडिया में आई खबरों के बीच, चिकित्सकों के संगठन ने रविवार को उन्हें पूरा समर्थन दिया और कहा कि अगर अधिकारी इस तरह का कोई जवाबी कदम उठाते हैं तो वे मामले में हस्तक्षेप करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में 'लोडिंग डोज' योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडीगुल। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमणियन ने रविवार को कोडाइकनाल की पहाड़ियों में स्थित पूंबराई गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का निरीक्षण किया और जीवन रक्षक 'लोडिंग डोज़' योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन किया।

इस योजना के तहत, राज्य के 8,713 स्वास्थ्य उपकेंद्रों और 2,286 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में तीन गोलियों (एस्पिरिन, क्लोपिडोग्रेल और एटोरवास्टेटिन) का एक पैकेट उपलब्ध कराया जाता है, ताकि हृदय संबंधी समस्याओं, जैसे दिल का दौरा पड़ने की आशंका वाले लोगों का समय रहते उपचार किया जा सके। इस योजना का उद्घाटन जून 2023 में कोडाइकनाल की पहाड़ियों में पूंबराई गांव के पीएचसी में किया गया था और मंत्री ने सुबह-सुबह सुविधा का निरीक्षण किया।

मंत्री ने कहा कि अब तक पूंबराई पीएचसी में 'लोडिंग डोज' योजना के तहत करीब 23 लोगों को लाभ मिल चुका है। सुब्रमणियन ने संवाददाताओं से कहा, मैंने एक लाभार्थी से बात की और पीएचसी में दिए गए उपचार, अनुवर्ती उपचार और उसकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उसने दी गई सेवाओं की सराहना की है।

महिला का शव बोरी में भरकर कचरा ट्रक में फेंका गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एक अज्ञात महिला का शव कथित तौर पर एक बोरी में भरकर कचरा ढोने वाले ट्रक में फेंका गया था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। शव चेन्नम्मानकेरे अचुकट्टू पुलिस थाने की सीमा में मिला। मृतक महिला की उम्र 30 से 35 साल के बीच बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि शव को बांधकर एक बोरी में भर दिया गया था तथा सम्भवतः शनिवार रात से रविवार सुबह के बीच किसी समय उसे कचरा ट्रक में फेंक दिया गया था। पास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को संदेह है कि शव को ऑटो-रिक्शा में लाया गया होगा।

रविवार की सुबह कूड़ा फेंकने आए एक व्यक्ति को बोरी देखकर संदेह हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और शव को बरामद किया। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है तथा इसमें शामिल लोगों की पहचान करने तथा हत्या के मकसद का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मौत गला घोंटने से हुई है, लेकिन वास्तविक कारण और यौन उत्पीड़न होने के आशंका की पुष्टि जांच व पोस्टमार्टम के बाद ही होगी।

असंतोष, मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा के बीच सुरजेवाला कांग्रेस विधायकों से मिलेंगे

बेंगलूरु। कर्नाटक के लिये कांग्रेस के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर अशांति के संकेतों के बीच सोमवार को पार्टी विधायकों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। ये बैठकें इसलिए महत्वपूर्ण हो गई हैं, क्योंकि कई विधायकों ने हाल में सरकार के कामकाज पर असंतोष जताया है।

यह बैठक ऐसे समय में होने वाली है, जब सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना की हालिया टिप्पणियों के बाद कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर से शुरू हो गई हैं, जिसमें उन्होंने सितंबर के बाद क्रांतिकारी राजनीतिक घटनाक्रम का संकेत दिया था। पार्टी हलकों में मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बदलाव की भी चर्चा है।

'युवाओं को वैश्विक मंच के लिए तैयार करने हेतु शिक्षा और उद्योग को सहयोग करना चाहिए'

बेंगलूरु। शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता पर बल देते हुए, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भारत के युवाओं को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने के लिए शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत सहयोग का आह्वान किया। वे बंसल और एलएनसीटी ग्रुप द्वारा आयोजित 'पंख-2025 : उद्योग-अकादमिक सहयोग से भारत का निर्माण' (बेंगलूरु संस्करण) में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, शिक्षा और उद्योग दो मजबूत स्तंभ हैं - एक ज्ञान, मूल्यों और कौशल को पोषित करता है, जबकि दूसरा उत्पादकता, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। जब ये दोनों संरेखित होते हैं, तो शिक्षा अधिक व्यावहारिक हो जाती है और उद्योग को कुशल कार्यबल प्राप्त होता है।

राज्यपाल ने वैश्विक कार्यबल के बदलते परिदृश्य पर प्रकाश डाला, रचनात्मकता, डिजिटल प्रवाह, आलोचनात्मक सोच, दूरस्थ कार्य मॉडल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और सतत विकास के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए। उन्होंने आज की पेशेवर दुनिया में नैतिकता, समय प्रबंधन, बहुभाषी संचार और उद्यमशीलता जैसे मानवीय मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। डिग्री धारकों के बीच बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसका कारण अकादमिक शिक्षा और उद्योग की जरूरतों के बीच लगातार बना हुआ कौशल अंतर है। उन्होंने आग्रह किया, इससे निपटने के लिए हमें शिक्षा में व्यावहारिक तत्वों को शामिल करना होगा- इंटर्नशिप, लाइव केस स्टडी, प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा और उद्योग-अकादमिक जगत के बीच घनिष्ठ संपर्क।

उन्होंने आगे सुझाव दिया कि शैक्षणिक संस्थान छात्रों को वास्तविक समय में अनुभव प्रदान करने के लिए उद्योगों के साथ औपचारिक साझेदारी स्थापित करें, साथ ही एक्सचेंज प्रोग्राम और औद्योगिक प्रशिक्षण के माध्यम से संकाय विकास की वकालत भी करें। राज्यपाल ने एआई, रोबोटिक्स, आईओटी, साइबर सुरक्षा, ग्रीन टेक और स्वास्थ्य तकनीक जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए संयुक्त पाठ्यक्रम, सामान्य प्रयोगशालाएँ और कौशल पार्क बनाने का प्रस्ताव रखा। गहलोत ने कौशल भारत मिशन, पीएमकेवीवाई और भविष्य के कौशल केंद्रों जैसी सरकारी पहलों की सराहना की और कौशल विकास, इंटर्नशिप और लचीले शिक्षण मार्गों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की प्रशंसा की।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना संख्या. 2025472211880
निम्नलिखित ई निविदा 02.07.2025 को IREPS की वेबसाइट में प्रकाशित की जाएगी।योग्यता एवं अन्य नियम व शर्तों के अनुसार लिए, कृपया आई आर ई पी एस की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखें। हस्तलिखित निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी।

क्रमांक	निविदा संख्या	काम का नाम	निविदा की तिथि	
			समाप्त	खुलना
1.	2025472211880	हाइपरवर्क्स सॉफ्टवेयर का अपग्रेडेशन	30.07.2025 को 15.00 बजे	30.07.2025 को 15.00 बजे के बाद

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना संख्या. 2025472211882
निम्नलिखित ई निविदा 03.07.2025 को IREPS की वेबसाइट में प्रकाशित की जाएगी।योग्यता एवं अन्य नियम व शर्तों के अनुसार लिए, कृपया आई आर ई पी एस की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखें। हस्तलिखित निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी।

क्रमांक	निविदा संख्या	काम का नाम	निविदा की तिथि	
			समाप्त	खुलना
1.	2025472211882	यू पी एस को बदलना और डी एवं डी की रीवायरिंग।	30.07.2025 को 15.00 बजे	30.07.2025 को 15.00 बजे के बाद

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना संख्या. 2025472211881
निम्नलिखित ई निविदा 02.07.2025 को IREPS की वेबसाइट में प्रकाशित की जाएगी।योग्यता एवं अन्य नियम व शर्तों के अनुसार लिए, कृपया आई आर ई पी एस की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखें। हस्तलिखित निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी।

क्रमांक	निविदा संख्या	काम का नाम	निविदा की तिथि	
			समाप्त	खुलना
1.	2025472211881	मल्टीबॉडी डायनेमिक टूल का अपग्रेडेशन (सिम्पैक) और अतिरिक्त मल्टीबॉडी डायनेमिक टूल (सिम्पैक) प्राप्त करने के लाइसेंस।	30.07.2025 को 15.00 बजे	30.07.2025 को 15.00 बजे के बाद

सटीक आंकड़ों के माध्यम से विकसित राजस्थान का संकल्प होगा पूरा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सांख्यिकी वो क्षेत्र है जिसके माध्यम से सरकार जनता की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं की पूर्ति कर सकती है। जब आंकड़े सटीक होते हैं, तभी हम निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में प्रगति का निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकते हैं और सुधार के लिए समय रहते कदम उठा सकते हैं। उन्होंने आंकड़ों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उपयोगिता को और अधिक सशक्त बनाते हुए विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि का आह्वान किया।

शर्मा रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जंयती के अवसर पर आयोजित 19वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महालनोबिस का स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय सांख्यिकी प्रणाली के मुख्य शिल्पी और सांख्यिकी विज्ञान के जनक थे। देश में सांख्यिकी प्रणाली को सुदृढ़ करने और नीति निर्माण को वैज्ञानिक तथ्यों एवं आंकड़ों पर आधारित बनाने का उनका योगदान हमेशा याद रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 19वां सांख्यिकी दिवस 'नेशनल सैंपल सर्वे के 75 साल' थीम पर मनाया जा रहा है जिसके निष्कर्षों एवं तथ्यों ने देश में नीतियों एवं कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सांख्यिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनसे न केवल जनकल्याणकारी नीतियां एवं कार्यक्रम बनाने में मदद मिल रही है बल्कि सांख्यिकी के क्षेत्र में भारत ग्लोबल लीडर के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री जी का मानना है कि डेटा आज केवल सूचनात्मक संसाधन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संपदा है। उन्होंने कहा कि डेटा से सांख्यिकी प्रणाली को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के साथ ही दूरगामी निर्णय लेने में मदद मिल रही है। ये आंकड़े ही तेजी से विकास के प्रमुख आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो व्यापक आंकड़े के आधार पर नीतियां एवं कार्यक्रम बनाकर उन्हें लागू करता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज राज्य सरकार ने आंकड़ों के आधार पर नीतिगत निर्णय लेकर सुशासन की मजबूत नींव रखी है। प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य हो या अंत्योदय की भावना के अनुरूप कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुगमता से पहुंचाने का संकल्प, राज्य सरकार आंकड़ों के आधार पर मजबूती से निर्णय ले रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में सांख्यिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। राज्य में 68 नवीन ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालयों एवं 8 नए जिलों में सांख्यिकी कार्यालयों की स्थापना करने के साथ ही, सांख्यिकी कार्यालयों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने के प्रावधान भी किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सतत विकास लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन की दृष्टि से हमनें बजट में एसडीजी कोर्डिनेशन एंड एक्सीलरेशन सेंटर की स्थापना की घोषणा की। इसके लिए पदों के सृजन एवं विशेषज्ञों की सेवाओं के लिए वित्तीय सहमति दी जा चुकी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'स्टैटिस्टिकल इयरबुक 2025' और 'राजस्थान एसडीजी स्टेटस रिपोर्ट 2025' का विमोचन और 'एसडीजी वेबसाइट 2.0' का शुभारंभ किया। साथ ही, उन्होंने राज्य में सांख्यिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित 16 अधिकारियों-कर्मचारियों को राज्य स्तरीय 'प्रोफेसर पीसी महालनोबिस सांख्यिकी पुरस्कार' से सम्मानित किया। इस अवसर पर सांख्यिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

भारत-पाक सीमा के पास मिला युवक और नाबालिग का शव, पाकिस्तानी आईडी और सिम कार्ड बरामद

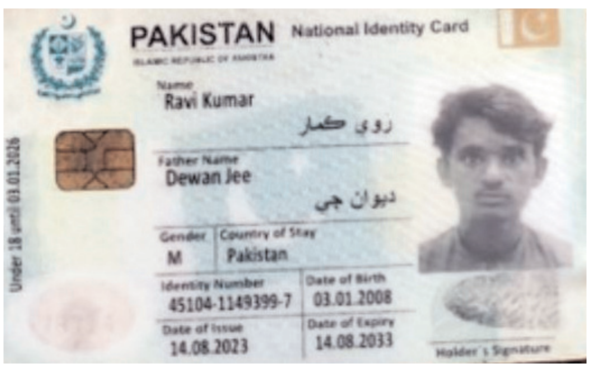

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। जिले के एसपी ने इसकी पुष्टि की है। मौके से एक पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी बरामद किया गया है। दरअसल, ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मिले हैं। मृतकों में एक 18 वर्षीय युवक और एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की शामिल हैं। शवों की हालत से अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत-पाक तारबंदी से 10-12 किलोमीटर भीतर भारतीय क्षेत्र में पाए गए हैं।

घटनास्थल पर एक पाकिस्तानी सिम कार्ड और एक आईडी कार्ड मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। आईडी कार्ड के अनुसार, युवक का नाम रवि कुमार (उम्र 18 वर्ष) है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रख दिया।

जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुधीर चौधरी ने पुष्टि की है कि मामला अत्यंत संवेदनशील है और हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के गांवों में भी पूछताछ शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में शवों के पास कोई हथियार या जहर नहीं मिला है। मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

पाकिस्तानी सिम कार्ड और आईडी कार्ड मिलने से कई सवाल उठ रहे हैं। क्या यह सीमा पार प्रेम प्रसंग का मामला है या घुसपैठ की कोशिश या फिर कोई बड़ी साजिश है? हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि वे दोनों भारतीय सीमा में क्या करने आए थे। फिलहाल मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तनोट पुलिस, जैसलमेर पुलिस और बीएसएफ संयुक्त रूप से जांच कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं।

जांच

बीकानेर में रविवार को एक परीक्षा केंद्र पर राजस्थान जेईटी (संयुक्त प्रवेश परीक्षा) 2025 के लिए उपस्थित होने के लिए उम्मीदवार सुरक्षा जांच करवाते परीक्षार्थी।

पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में देते हैं अहम योगदान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता हमारी न्याय प्रणाली का अभिन्न अंग है। उनकी सेवा और समर्पण ने भारतीय न्याय व्यवस्था को नये आयाम प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं।

शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान बार काउंसिल कार्यकारिणी के सदस्यों ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री का राज्य बजट 2024-25 में राजस्थान बार काउंसिल के लिए एक बारीय सहायता के रूप में 7.50 करोड़ रूपये का प्रावधान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रदेश में न्यायपालिका के और अधिक सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न विधिक मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ राजस्थान कानूनी सुधारों को क्रियान्वित करने, विधि शिक्षा और विधिक सहायता जैसे अन्य महत्वपूर्ण सराहनीय कार्य कर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा योगदान दे रही है। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अदालतों में चरणबद्ध रूप से सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से देश और समाज को एक नई दिशा दी है। इन अभियानों के व्यापक और सकारात्मक परिणाम हम सब देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अधिवक्ता भी समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं को अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर सामाजिक सरोकारों से जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर राजस्थान बार काउंसिल के अध्यक्ष श्री भुवनेश शर्मा सहित वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मिट्टी ढहने से चार की मौत

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के गहनौली थाना क्षेत्र में जंगी के नगला के पास रविवार को चंबल परियोजना की पाइप लाइन डालने के दौरान मिटटी ढहने से एक युवक और तीन महिलाओं की मौत हो गयी जबकि छह अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जंगी के नगला के पास सुबह पाइप लाइन के लिए की गयी खुदाई में निकली पीली मिटटी को भरने के लिए 15 महिला पुरूष करीब 10 फुट गहरे गडढे में उतरे थे।

इसी दौरान मिटटी भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। इस पर ग्रामीणों ने तुरंत फावड़ों से खुदाई करके मिटटी में दबे सभी लोगों को निकाल लिया और उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में अनुकूल (22), योगेश कुमारी (25), विनोद देवी (55) और विमला देवी (45) को चिकित्सकों ने मृतक घोषित कर दिया। जबकि घायलों में चार को उनके परिजन निजी अस्पताल ले गये दिनेश (38) और जय(50) को भर्ती कर लिया गया। पांच अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी।

युवक को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा

झुंझुनू। जिले के धोलाखेड़ा गांव में एक युवक के साथ हुई बर्बरता का वीडियो सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। 23 जून की रात की यह घटना 25 जून को तब सामने आई जब पीड़ित महेश ने गुढ़ा गौड़जी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महेश को पूरी तरह निर्वस्त्र कर आरोपी युवक लगातार बेल्ट, लात और घूंसे मार रहे हैं। करीब डेढ़ मिनट के इस वीडियो में पीड़ित युवक बार-बार हाथ जोड़कर माफी मांगता दिखाई देता है और पैसों की बात करता रहता है लेकिन आरोपियों ने उस पर कोई रहम नहीं किया। इस दौरान आरोपियों ने पूरी घटना का वीडियो भी बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में गरजे नेता, गहलोत बोले- अंग्रेजों जैसी है भाजपा की नीति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एआईसीसी प्रभारी रितिक मकवाना, पीसीसी प्रभारी विक्रम शेखावत और रैली प्रभारी रामसहाय बाजवा सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। रैली में जोधपुर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान से ही जनता को वोट की ताकत मिली है, जिसे आज खतरे में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा- भाजपा के पास आज कहने को कुछ नहीं है, इसलिए वे 50 साल पुराने आपातकाल की बात करते हैं। जबकि उस समय इंदिरा गांधी की सरकार चली गई थी, मगर फिर लोकतांत्रिक तरीके से वापस सत्ता में आई। गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को गिराकर भाजपा ने सत्ता हासिल की। भाजपा की नीति अब अंग्रेजों जैसी हो चुकी है- बांटो और राज करो।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राजस्थान का पाटिया ही साफ हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री खुद कहते हैं कि उन्होंने डेढ़ साल में वह काम कर दिया, जो कांग्रेस ने पांच साल में नहीं किया, लेकिन अब भी लोग यही सोच रहे हैं कि क्या सच में वे मुख्यमंत्री बन गए हैं।

उन्होंने अधिकारियों को छह-छह घंटे बैठकों में बंधक बनाकर रखने का भी आरोप लगाया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा संविधान को तोड़-मरोड़ रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सदन के एक मामले में राहुल गांधी की सदस्यता तत्काल बर्खास्त कर दी गई, लेकिन भाजपा विधायक की सदस्यता रद्द करने में 23 दिन लग गए।

नेताओं ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और नौकरशाही के बढ़ते प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई। डोटासरा ने कहा कि केवल आलोचना करने से काम नहीं चलेगा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गांव-ढाणी में जाकर जनता की समस्याएं समझनी होंगी, तभी पार्टी मजबूत हो पाएगी। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि संविधान बचाओ रैली इस समय की जरूरत है क्योंकि भाजपा की राज्य और केंद्र सरकारें लोकतंत्र की बुनियादी आत्मा संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे संविधान की रक्षा के लिए आगे आएं।

प्रधानमंत्री हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए करते हैं प्रेरित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 123वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में हाल ही में भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर पहुंचने की उपलब्धि की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने एक नया इतिहास रचा है। मोदी ने शुभांशु शुक्ला के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया।

मोदी ने गत 21 जून को 'एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य' थीम पर आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों द्वारा एक साथ योग किया गया। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के बड़े शहरों में आयोजित शिविरों में योग के माध्यम से शांति, स्थिरता और संतुलन की झलक दिखाई दी। प्रधानमंत्री ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा और उड़ीसा में आयोजित भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा के बारे में बात करते हुए कहा कि ये यात्राएं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव का प्रतिबिंब है।

प्रधानमंत्री ने भारत को हाल ही में मिली दो बड़ी उपलब्धियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की 64 प्रतिशत से ज्यादा आबादी को किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है।

सांख्यिकी क्षेत्र वैज्ञानिक सोच के साथ सामाजिक एवं आर्थिक नियोजन का आधार : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के इस समय में सांख्यिकी क्षेत्र का महत्व तेजी से बढ़ रहा है और राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस आंकड़ों के महत्व से ही नहीं जुड़ा है बल्कि यह हमें वैज्ञानिक सोच के साथ सामाजिक और आर्थिक नियोजन के लिए प्रेरित करता है। बागड़े रविवार को हरिश्चन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान के सभागार में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित में विभिन्न क्षेत्रों में आंकड़ों का एकत्रीकरण, उनका विश्लेषण और उपयोग प्रभावी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण है। नीति-निर्माण के लिए डेटा आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर प्रख्यात भारतीय सांख्यिकीविद प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय सांख्यिकी के जनक प्रो. महालनोबिस की पहल और सोच से ही देश में 1950 में नेशनल सैंपल सर्वे की की स्थापना हुई। राज्यपाल ने नेशनल सैंपल सर्वे अपने 75 वर्ष पूरे होने की बधाई देते हुए अधिकारियों का आह्वान किया कि वे तथ्यपूर्ण, निष्पक्ष और वैज्ञानिक तरीके से डेटा एकत्र करने के साथ उनके विश्लेषण में भी सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि आंकड़ों का महत्व सिर्फ रिपोर्टों तक ही सीमित नहीं है। आंकड़ों से ही देश की नीतियों का निर्धारण होता है, जन कल्याण की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है।

उत्तर प्रदेश की खनन नीति अब पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता का संगम : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि उप्र खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और तकनीक का मानक बन गया है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रविवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि ''उत्तर प्रदेश की खनन नीति अब पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता का संगम बन चुकी है।'' उन्होंने कहा कि ''उत्तर प्रदेश की 'एक लाख करोड़ डॉलर' की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में खनन क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र अब केवल खनिज उत्पादन का जरिया नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक प्रगति, निवेश संवर्धन और स्थानीय रोजगार सृजन का प्रभावशाली केंद्र बन गया है।''

विभागीय कार्यों की अद्यतन प्रगति से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक खनिज राजस्व में औसतन 18.14 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में मुख्य खनिजों से 608.11 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि वर्ष 2025-26 में केवल मई माह तक ही 623 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हो चुकी है, जो इस क्षेत्र की लगातार प्रगति और विभाग की दक्षता को दर्शाता है। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि हाल के वर्षों में फॉस्फोराइट, लौह अयस्क और स्वर्ण जैसे मुख्य खनिजों के पट्टों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कंपोजिट लाइसेंस प्रक्रिया को और तेज किया जाए तथा संभावित खनन क्षेत्रों की अग्रिम पहचान और भू-वैज्ञानिक रिपोर्टों की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि स्पष्ट, पारदर्शी और प्रोत्साहक नीतियों के चलते अदाणी समूह, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी अग्रणी कंपनियां उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर गहरी रुचि दिखा रही हैं।

अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने ट्रांसपोर्टर कंपनियों के साथ समन्वय बनाकर एक मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नदी के कैचमेंट एरिया में कहीं भी खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी और यदि ऐसी गतिविधियां सामने आती हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। बयान के अनुसार, ड्रोन सर्वेक्षण और प्रयोगशाला के सहयोग से 2024 से अब तक 99 संभावित खनन क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिनमें से 23 खनन के योग्य पाए गए हैं। मानसून उपरांत 52 क्षेत्रों में बालू/मौरंग के भंडार का भी मूल्यांकन किया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि ईंट भट्ठों से विनियमन शुल्क के रूप में वर्ष 2024-25 में 258.61 करोड़ रुपए तथा 2025-26 में अब तक 70.80 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया गया है।

बिहार के हित में विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता हूं : चिराग पासवान

राजगीर(बिहार)/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि वह बिहार के हित में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। साथ ही आरोप लगाया कि विरोधी उनके रास्ते में रोड़ा अटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा के राजगीर में 'बहुजन भीम संकल्प समागम' नामक एक रैली को संबोधित किया।

हाजीपुर के सांसद ने लोगों से विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि गठबंधन) के 'झूठे आख्यान' के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया, जिसने ''पिछले वर्ष लोकसभा चुनावों के दौरान आरोप लगाया था कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरा कार्यकाल मिला तो संविधान खतरे में पड़ जाएगा।'' पासवान ने आरोप लगाया, ''वे विधानसभा चुनावों से पहले फिर से वही चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि संविधान पर सबसे बुरा हमला आपातकाल के दौरान हुआ था, जब कांग्रेस सत्ता में थी और अनगिनत युवाओं, जिनमें ज्यादातर दलित, अल्पसंख्यक और ओबीसी थे, की जबरन नसबंदी कर दी गई थी।'' उन्होंने कहा, ''आज कांग्रेस और उसके सहयोगी दल पटना में एक रैली में भाग लेकर खुद को अल्पसंख्यकों के मसीहा के रूप में पेश करने की कोशिश में व्यस्त हैं, जहां वे वक्फ अधिनियम का विरोध कर रहे हैं, जो गरीब मुसलमानों के लाभ के लिए लाया गया था।

भाजपा के जितने भी 'इंजन' हैं, सब 'ईंधन' के जुगाड़ में लगे हुए : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल के जितने भी 'इंजन' हैं, सब 'ईंधन' के जुगाड़ में लगे हुए हैं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के राज में व्यापार आर्थिक-सामाजिक आपातकाल के दौर से गुजर रहा है और यह व्यापारियों के ऊपर नए तरह की 'इमरजेंसी' है।

सपा मुख्यालय में पार्टी के फ्रंटल संगठन 'व्यापार सभा' के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की एक बैठक में शामिल होने के बाद यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कहने को तो यह सरकार 'डबल इंजन' की है और भारतीय जनता पार्टी के लोग कभी यह कहते हुए थकते नहीं कि यह 'डबल इंजन' की सरकार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इनके काम करने का तरीका देखें तो सच्चाई सामने आ जाएगी और आज सरकार में हर इंजन ईंधन की जुगाड़ में लगा हुआ है। यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव के बाद सपा की सरकार बनने की उम्मीद जताते हुए कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने के बाद व्यापारियों की सुरक्षा व सम्मान के लिए तथा उनके कारोबार को सहूलियत देने के लिए हर कदम उठाएंगी। सपा प्रमुख ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) समेत कर प्रणाली को लेकर सत्तारूढ़ दल की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा ने समय-समय पर व्यापारियों को यह भरोसा दिलाया कि करों के सरलीकरण से व्यापार को लाभ पहुंचेगा, लेकिन सच्चाई यह है कि इन कानूनों ने व्यापारियों को उलझाया है और गलत नीतियों के चलते व्यापार संकट में आ गया है।

सपा प्रमुख ने मीडिया की खबर का हवाला देते हुए कहा कि पिछले एक साल में 35000 एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) कंपनियां देश में बंद हुई हैं।

सपा मुख्यालय में दानवीर भामा शाह की स्मृति में आयोजित बैठक के बाद यादव ने व्यापारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि भामा शाह अपने समय के न केवल दानी थे, बल्कि राष्ट्र हित में फैसला लेते थे।

पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों के लिए रेल संपर्क छह दिनों के बाद आंशिक रूप से बहाल

गुवाहाटी/भाषा। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड पर भूस्खलन के कारण रेल संपर्क टूट जाने के छह दिन बाद रविवार को त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम और दक्षिणी असम का रेल संपर्क आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल सीमित संख्या में रेलगाड़ियों के परिचालन की अनुमति दी गई है तथा सोमवार तक रेल यातायात सामान्य हो जाने की उम्मीद है। एनएफआर के प्रवक्ता ने कहा, पहली मालगाड़ी और पहली यात्री ट्रेन (कंचनजंगा एक्सप्रेस) भूस्खलन प्रभावित स्थान जतिंगा लामपुर से गुजरी। एनएफआर की ओर से शनिवार शाम जारी एक बयान में कहा गया कि पहाड़ी खंड में जतिंगा लुम्पुर-न्यू हाफलोंग के रास्ते किलोमीटर 108/6-8 के बीच प्रभावित हिस्से पर ट्रेन की आवाजाही रविवार से आंशिक रूप से बहाल कर दी जाएगी। इसमें कहा गया है, प्रभावित स्थान पर रेल यातायात को सामान्य करने के लिए बहाली के प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कल (29.06.2025) 12:00 से 18:00 बजे के बीच सीमित रेल परिचालन की योजना बनाई गई है तथा सोमवार से पूर्ण रेल सेवाएं बहाल होने की उम्मीद है। त्रिपुरा और बराक घाटी की ओर जाने वाली पेट्रोलियम उत्पादों और खाद्यान्न से भरी मालगाड़ियों को इस मार्ग पर आवागमन के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के एरी सिल्क की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में मेघालय के पारंपरिक एरी सिल्क और उसके अनूठे हस्तशिल्प की प्रशंसा की तथा देश की स्वदेशी कला और शिल्प की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने प्रधानमंत्री मोदी को मेघालय के गौरव का उल्लेख करने के लिए धन्यवाद दिया। इससे एक सप्ताह पहले उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य की महिलाओं द्वारा बुना गया सिल्क कपड़ा उपहार में दिया था। अपने संबोधन में मोदी ने हाल में मेघालय के एरी सिल्क को प्रतिष्ठित भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि यह न केवल राज्य के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''एरी सिल्क मेघालय के लिए एक धरोहर की तरह है। यहां की जनजातियों ने, खासकर खासी समाज के लोगों ने पीढ़ियों से इसे सहेजा भी है, और अपने कौशल से समृद्ध भी किया है। इस सिल्क की कई ऐसी खूबियां हैं, जो इसे बाकी कपड़ों से अलग बनाती हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसकी सबसे खास बात है इसे बनाने का तरीका, इस सिल्क को जो रेशम के कीड़े बनाते हैं, उसे हासिल करने के लिए कीड़ों को मारा नहीं जाता है, इसलिए इसे, अहिंसा सिल्क भी कहते हैं।'' संगमा ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक और नैतिक रूप से उत्पादित ऐसे उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। उन्होंने एरी सिल्क को अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए एक आदर्श उत्पाद बताया। मोदी ने इसके टिकाऊ होने का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया भर में ऐसे सामानों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ये सिल्क सर्दी में गरम करता है, और गर्मियों में ठंडक देता है। इसकी ये खूबी इसे ज्यादातर जगहों के लिए अनुकूल बना देती है।''

इसके उत्पादन में मेघालय की महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका को रेखांकित करते हुए, मोदी ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से एरी सिल्क परंपरा की सराहना की, जिसमें पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करते हुए स्थायी आजीविका का सृजन किया गया। प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' के अपने आह्वान को दोहराते हुए सभी नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''ग्राहक भारत में बने उत्पाद ही खरीदें, और व्यापारी भारत में बने उत्पाद ही बेचें, तो 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को नई ऊर्जा मिलेगी।''

तृणमूल शासन में बंगाल कभी महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हो सकता : मालवीय

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता में विधि छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार की घटना को लेकर अपना हमला तेज करते हुए भाजपा ने रविवार को कहा कि जब तक तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर नहीं हो जाती तब तक पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हो सकता।

पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने राज्य में 2023 से कथित यौन उत्पीड़न के कई अन्य मामलों को सूचीबद्ध किया, जिनमें तृणमूल नेताओं की ''सीधी संलिप्तता'' का आरोप लगा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''तृणमूल बलात्कार से सहानुभूति रखने वालों, बलात्कार को बढ़ावा देने वालों और अपराधियों की पार्टी है।'' मालवीय ने कहा कि जब तक तृणमूल को सत्ता से बाहर नहीं कर दिया जाता

तब तक पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए कभी सुरक्षित नहीं हो सकता। कोलकाता के विधि महाविद्यालय छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की हालिया घटना कोई एकमात्र घटना नहीं है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में दावा किया, ''बंगाल के परिसरों में तृणमूल समर्थित गुंडे जैसे कि मनोजीत खुलेआम घूमते हैं, धमकी देते हैं, हमला करते हैं और लोगों की जिंदगी बर्बाद करते हैं जबकि सत्तारूढ़ पार्टी आंखें मूंद लेती है, या इससे भी बदतर, उन्हें प्रोत्साहित करती है।''

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के खिलाफ

'इंडि' गठबंधन अदालत का रुख कर सकता है : दिग्विजय

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने रविवार को कहा कि यदि निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बारे में विपक्षी दलों की आपत्तियों को स्वीकार नहीं करता तो 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' ('इंडिया' गठबंधन) के सभी घटक दल इसके खिलाफ न्यायपालिका का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सिंह ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार पर राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले एसआईआर के माध्यम से गरीब और हाशिए पर पड़े मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, '' निर्वाचन आयोग का एसआईआर अभियान आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में गरीब, आदिवासी, युवा, बाढ़ प्रभावित और प्रवासी मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। यदि निर्वाचन आयोग इस अभियान के बारे में विपक्ष की आपत्तियों को स्वीकार नहीं करता है, तो 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ न्यायपालिका का दरवाजा खटखटा सकते हैं।''

मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल, युवक गिरफ्तार

बदायूं (उप्र)/भाषा। बदायूं जिले के दातागंज क्षेत्र में एक मंदिर के परिसर में नमाज पढ़ने पर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी के.के. तिवारी ने रविवार को बताया कि दातागंज थाना क्षेत्र के पापड़ गांव में ब्रह्मदेव देवस्थान नामक प्राचीन मंदिर के परिसर में एक युवक के नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल हुआ था और इसे देखकर कुछ हिंदूवादी संगठनों ने विरोध जताया। उन्होंने बताया कि इसकी सूचना मिलते ही मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया और वीडियो में नमाज पढ़ते दिख रहे अली हसन नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। तिवारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है और यह भी जानने का प्रयास किया जा रहा है कि उसने अपनी मर्जी से वहां नमाज पढ़ी है या किसी ने उससे वहां पर नमाज अदा करने के लिए कहा था।

बंगाल की बेटियों पर अत्याचार कर रहे हैं 'तृणमूल कांग्रेस से जुड़े गुंडे' : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विधि महाविद्यालय की छात्रा से कथित सामूहिक बलात्कार की घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को आरोप लगाया कि ''सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से जुड़े गुंडे राज्य की बेटियों'' पर अत्याचार कर रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस मुद्दे पर चुप हैं।

उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी में एक कार्यक्रम से इतर भाजपा नेता ने संवाददाताओं से कहा कि पश्चिम बंगाल, जो कभी देश को रास्ता दिखाता था, अब आरजी कर चिकित्सा के बलात्कार तथा हत्या और अब दक्षिण कोलकाता विधि कॉलेज में एक महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार जैसी बर्बरता से पूरे देश की ''अंतरात्मा को झकझोर रहा है''।

उन्होंने कहा, ''जिस राज्य में रवींद्रनाथ टैगोर, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों का जन्म हुआ, जो राज्य देश को रास्ता दिखाता था, वहां अब सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े और संरक्षित गुंडों द्वारा महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की लगातार घटनाएं हो रही हैं।'' उन्होंने कहा कि इस मामले में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े 'गुंडों' की प्रत्यक्ष संलिप्तता के आरोप हैं। भाजपा नेता ने कहा, ''ऐसी घटनाओं ने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और महिलाओं की सुरक्षा के बारे में सही सोच रखने वाले देश के हर नागरिक को परेशान कर दिया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस घटना पर चुप हैं। उन्होंने कहा, ''हमें नहीं पता कि ममता दीदी कब इस पर ध्यान देंगी। लेकिन पश्चिम बंगाल के लोग निश्चित रूप से इसे उन्हें सही संदेश देंगे, जब 2026 के विधानसभा चुनावों में इस क्रूर, निर्दयी और अमानवीय सरकार को सत्ता से हटा दिया जाएगा।'' प्रधान ने कहा कि राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी सदन में राज्य में अराजकता का खुलासा करेंगे, जबकि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार सड़कों पर विरोध प्रदर्शन के माध्यम से लोगों की समस्याओं को उठाएंगे।

राष्ट्रपति शासन के दौरान मणिपुर में हिंसा में कमी, मादक पदार्थों की जब्ती में वृद्धि: अधिकारी

इंफाल/भाषा। फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद से मणिपुर में हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है, नागरिकों की मृत्यु और घायल होने की संख्या में भारी कमी आई है तथा मादक पदार्थों की जब्ती में वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने यहां रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और अन्य अर्धसैनिक बल भी वर्ष 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए हजारों हथियारों को बरामद करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपेक्षाकृत शांति के बावजूद, सुरक्षा बलों के लिए हजारों खोए हुए हथियारों को बरामद करना तथा जबरन वसूली और छोटे-मोटे अपराधों में संलिप्त प्रतिबंधित घाटी आधारित आतंकवादी समूहों की गतिविधियों से निपटना चुनौती बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि मेइती संगठन अरम्बाई तेंगोल के कार्यकर्ताओं पर हाल ही में की गई कार्रवाई (जिस पर कुकी लोगों के खिलाफ हिंसा की साजिश रचने और घाटी में बड़े पैमाने पर हिंसा में संलिप्त होने का आरोप है) राज्य के कुछ हिस्सों में शांति की भावना लाने में भी मददगार रही है।

बिहार में सरकार बनने के बाद

महागठबंधन वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक देगा : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता से बाहर होने वाला है और महागठबंधन की सरकार बनने पर केंद्र सरकार द्वारा लाये गये वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।

यादव ने यहां ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित 'वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ' रैली को संबोधित किया, जहां विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता विरोध स्वरूप काली पट्टियां बांधकर पहुंचे थे। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने कहा, हमारे (राजद के) राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने संसद में स्पष्ट कर दिया है कि राजद इस कानून का पुरजोर विरोध करेगा। हमारे सांसदों ने संसद के दोनों सदनों में इसका विरोध किया। हमने इस कानून के खिलाफ अदालत का भी दरवाजा खटखटाया है।'' पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने कहा, मैं बिहार के मुस्लिम भाइयों से भी कहूंगा कि वे याद रखें कि राजग सरकार जाने वाली है। नवंबर में राज्य में नई गरीब समर्थक सरकार बनेगी और यह वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में डाल देगी।''

पटना रैली में तेजस्वी के भाषण के दौरान मंच से टकराया ड्रोन, झुक कर खुद को बचाया

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के भाषण के दौरान एक ड्रोन मंच से टकरा गया लेकिन उन्होंने फुरती दिखाते हुए झुक कर खुद को बचा लिया।

रविवार को यह घटना उस समय हुई जब पूर्व उपमुख्यमंत्री यहां ऐतिहासिक गांधी मैदान में 'वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ' रैली को संबोधित कर रहे थे।

पटना की पुलिस अधीक्षक (मध्य) दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हम घटना की जांच कर रहे हैं। यह एक प्रतिबंधित क्षेत्र था और ऐसी कोई वस्तु वहां नहीं आनी चाहिए थी। जब रैली हो रही थी, तब पुलिस टीम भीड़ को संभालने में व्यस्त थी। लेकिन मामले की निश्चित रूप से गहन जांच की जाएगी।''

रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप फाइनल मैच के भावनात्मक पलों को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में भारत की टी20 विश्व कप जीत को याद करते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच से पहले वह बहुत घबराए हुए थे और पूरी रात सो नहीं पाए थे। इस मैच का दबाव ऐसा था कि उन्हें लगा कि उनका दिन सुन्न हो गया है।

भारत पिछले साल 29 जून को टी20 विश्व कप चैंपियन बना था। इस जीत के साथ ही भारत ने विश्व कप खिताब के 13 साल के सूखे को खत्म किया था। रोहित ने 'जियो हॉटस्टार' से कहा, '' 13 साल लंबा समय होता है। ज्यादातर लोगों का करियर भी 13 साल का नहीं होता। विश्व कप जीतने के लिए इतना लंबा इंतजार करना, मैंने अपना पिछला विश्व कप 2007 में जीता था। मेरे लिए यह इससे बड़ा और कुछ नहीं हो सकता था। मैं पूरी रात सो नहीं पाया। मैं सिर्फ विश्व कप के बारे में सोच रहा था। मैं घबराया हुआ था। मुझे अपने पैर महसूस नहीं हो रहे थे।''

उन्होंने कहा, '' क्या मैं दबाव में था? मैं इसे जाहिर नहीं होने देना चाहता था लेकिन अंदर से काफी 'नर्वस' था। हमें सुबह साढ़े आठ या नौ बजे स्टेडियम के लिए निकलना था। मैं सुबह सात बजे ही जग गया था। मैं अपने रूम से मैदान को देख सकता था।'' उन्होंने कहा, '' मुझे याद है कि मैं सोच रहा था, 'दो घंटे बाद में मैदान पर रहूंगा और लगभग चार घंटे के बाद मैच का परिणाम लगभग तय हो जायेगा।' ''भारतीय कप्तान ने आखिरी ओवर में सूर्यकुमार यादव द्वारा डेविड मिलर के शानदार कैच को फाइनल का निर्णायक क्षण करार दिया। उन्होंने कहा, '' सूर्यकुमार के कैच के बाद अंपायरों ने इस पर फैसले के लिए तीसरे अंपायर की मदद मांगी। इस समय सभी की धड़कनें तेज हो गई थीं।'' रोहित ने कहा, '' मैं उस समय लॉन्ग ऑफ पर सूर्यकुमार के ठीक सामने था और शुरुआत में मुझे लगा कि गेंद छह रन के लिए चली गयी है।'' सूर्यकुमार ने बाउंड्री के पास क्षेत्ररक्षण करते समय सजगता दिखाते हुए शानदार कैच लपका। इस कैच से भारत की सात रन से जीत सुनिश्चित हुई। रोहित ने कहा, '' मिलर ने जब शॉट मारा तब मुझे लगा कि अब दक्षिण अफ्रीका को पांच गेंद में 10 रन बनाने हैं लेकिन फिर मैंने देखा कि गेंद सूर्यकुमार के हाथों में चली गयी।''

उन्होंने कहा, '' इस कैच को पकड़ना काफी मुश्किल था। उस कैच पकड़ने में बहुत मेहनत लगी होगी क्योंकि जब गेंद हवा में थी तो ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से सीमा रेखा को पार कर जाएगी। शायद हवा ने गेंद को थोड़ा मैदान की ओर खींच लिया।''

बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर है भारत, कुलदीप को खिलाना चाहिए : अजहरुद्दीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि भारत को अपने गेंदबाजी आक्रमण में अधिक अनुभव जोड़ने और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बोझ कम करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए।

लीड्स में पहले टेस्ट में भारतीय टीम पांच विकेट से हार गई जिसमें मेहमान टीम विकेटों के लिए बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर थी। अजहरुद्दीन ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, 'वे बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह आसान नहीं है क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की जरूरत है और उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। '' अब भारतीय टीम दो जुलाई से बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में खेलेगी जिसमें पिच सूखी रहने की उम्मीद है जिससे कुलदीप को कुछ मदद मिल सकती है। भारत ने कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत के शतकों की मदद से पहली पारी में 471 रन का अच्छा स्कोर बनाया था। केएल राहुल और पंत के शतकों की मदद से उन्होंने दूसरी पारी में 364 रन बनाए। लेकिन दोनों ही पारियों में मध्य और अंतिम क्रम के बल्लेबाजों के विफल होने के कारण मेहमान टीम मजबूत स्कोर या लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। अजहरुद्दीन ने टीम संयोजन को सही रखने की बात की ताकि टीम को लीड्स की हार से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने कहा, ''हम बल्लेबाजी के विफल होने के कारण हारे, लेकिन अब उन्हें सही खिलाड़ियों को चुनना होगा और गेंदबाजी भी सही होनी चाहिए।''

सुविचार

राधा ने प्रेम को कभी नहीं जताया, क्योंकि उन्हें पता था कि सच्चे प्रेम को दिखाने की ज़रूरत नहीं होती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लोकतंत्र के रक्षक बनें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में 25 जून, 1975 को भारत पर थोपे गए 'आपातकाल' का जिक्र कर देशवासियों को लोकतंत्र के रक्षक बनने का संदेश दिया है। वह घटना भारत के इतिहास में एक ऐसा अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज के युवाओं ने वह दौर नहीं देखा है, जब रातोंरात लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे। भारत की आज़ादी के लिए अनगिनत लोगों ने बलिदान दिए थे। उसी तरह, 'आपातकाल' की घोषणा होने के बाद लोकतंत्र को वापस लाने के लिए भी लोगों ने साहस, संघर्ष, त्याग और बलिदान का रास्ता चुना था। आज कई नेता यह कहते हुए उस घटना पर बातचीत से परहेज करते हैं कि 'वह तो पुरानी बात हो गई, अब उस पर कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है।' 'आपातकाल' पर बातचीत करना इसलिए जरूरी है, ताकि हम उससे सबक ले सकें और भविष्य में कोई नेता खुद को देश के लोकतंत्र से बड़ा मानने का भ्रम न पाल बैठे। लोकतंत्र में निरंकुशता के लिए कोई जगह नहीं होती है। अगर कोई नेता अच्छा काम करता है तो उसकी सराहना जरूर होनी चाहिए। हमारे देश में ऐसे कई नेता हुए हैं। उन्हें जनसेवा की भावना ने यशस्वी बनाया था। उनकी देशभक्ति और सत्यनिष्ठा पर विरोधी भी संदेह नहीं करते थे। उनका पूरा जीवन देश को समर्पित था। वहीं, कुछ नेताओं ने लोकप्रियता और सत्ता को मनमानी करने का लाइसेंस समझ लिया था। उसकी झलक हमें 'आपातकाल' में देखने को मिली थी। भारत में फिर वह दिन न आए, इसके लिए नई पीढ़ी के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि उस दौरान क्या-क्या हुआ था!

'आपातकाल' की घोषणा होते ही पूरा देश एक जेल में तब्दील हो गया था। विपक्ष के बड़े नेताओं से लेकर हजारों आम नागरिकों को बिना किसी अपराध के जेलों में बंद कर दिया गया था। प्रेस पर सख्त सेंसरशिप लागू की गई और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खत्म कर दी गई थी। जनता में डर पैदा करने के लिए जबरन नसबंदी का 'अभियान' चलाया गया था। जब गांवों में सरकारी गाड़ी आती तो मासूम लोग छिपने के लिए इधर-उधर भागते थे। वह दौर हमें याद दिलाता है कि सत्ता का दुरुपयोग बहुत खतरनाक हो सकता है। हमें अपने लोकतंत्र को हर हाल में मजबूत रखना है। कोई नेता कितना ही लोकप्रिय क्यों न हो, कोई पार्टी कितनी ही बड़ी क्यों न हो, कोई सरकार कितनी ही सीटों के साथ ताकतवर क्यों न हो, उन्हें लगातार इस बात का बोध कराते रहना चाहिए कि आप का काम जनता की सेवा करना है, मनमानी करना नहीं है। वे अपने कर्तव्यों के मार्ग से भटक जाएं तो उन्हें 'सही मार्ग' दिखाना भी जनता की जिम्मेदारी है। अगर कोई सत्ता का दुरुपयोग करते हुए गलत फैसला लेता है तो जनता को उसका विरोध करने का अधिकार है। प्राय: सत्ता और लोकप्रियता के कारण कुछ नेताओं के मन में अहंकार आ ही जाता है। उस स्थिति में उन्हें यह भ्रम होने लगता है कि 'वे कोई भी फैसला ले सकते हैं, सबकुछ कर सकते हैं और जनता सदैव उनकी जय-जयकार करती रहेगी।' यह सोच मन में दबे कई विकारों की उपज है। अंग्रेज शासकों को भी बहुत अहंकार हो गया था। उनके बारे में कहा जाता था कि 'ये इतने शक्तिशाली हैं कि इनके राज में सूरज नहीं डूबता।' भारत की जनता ने उनका अहंकार मिट्टी में मिला दिया। सत्ता के नशे में अत्याचार ज्यादा दिनों तक नहीं चलता। जो व्यक्ति सत्ता का प्रयोग जनसेवा के लिए करता है, वह युगों-युगों तक जनता के हृदय में रहता है।

ट्वीटर टॉक

भरतपुर के रूपवास में जंगी के नगला के समीप मिट्टी धंसने से हुई हृदय विदारक घटना में जनहानि का समाचार अत्यंत दुखदाई है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य व संबल दें।

-दीया कुमारी

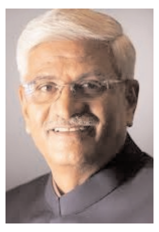

आज आपातकाल को इसलिए याद नहीं किया जा रहा कि इसके पीछे कोई राजनीति है। आज भाजपा की केंद्र में सरकार है और सरकार में रहते हुए हम यह कर रहे हैं तो यह जनता को भरोसा दिलाना है कि हम लोकतंत्र की कभी हत्या नहीं होने देंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने दिल्ली स्थित निवास पर भेंट की। इस अवसर पर राज्य विधान सभा के अध्यक्षीय कार्यकाल के तीन वर्षों की यात्रा को दर्शाती पुस्तक उन्होंने प्रदान की। विधायी परंपराओं को समृद्ध बनाते हुए सदन संचालन के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

प्रकृति सब लौटा कर देती है

जो कुछ भी हमारे अंदर भरा होता है वो ही प्रकृति हमें लौटा देती है। एक व्यक्ति अपने परिवार, रिश्तेदार, मित्र, मोहल्ला के निवासी, अपनी फैक्ट्री के कार्यकर्ताओं से अति दु:खी होकर समाधान के लिए अपने गुरु के पास पहुंचा और अपनी पीड़ा गुरुदेव को बताते हुए बोला- मेरे कर्मचारी, पत्नी, बच्चे और आसपास के सभी लोग बेहद स्वार्थी हैं। कोई भी सही नहीं है, क्या करूं गुरुदेव? गुरुजी ने कहा- पुत्र, नि:संदेह तुम्हारी समस्या अति गंभीर है। तुम आज रात आश्रम में ही रहो। मैं रात्रि में मंथन करूंगा और सुबह समाधान बताऊंगा। वह रात्रि विश्राम के लिए रुक गया। भोर की पूजा-अर्चना के पश्चात अपने अन्य शिष्यों की समस्याओं को निबटा कर गुरुजी ने अंत में उस व्यक्ति को अपने पास बुलाया। एक रात आश्रम में बिताने के अनुभव को भी वह व्यक्ति अपने गुरु को बताने से स्वयं को रोक न सका और बोला- गुरुदेव, आपके आश्रम में भी स्वार्थियों ने अपना डेरा जमा रखा है। हर कोई आपसे कुछ न कुछ चाहकर ही यहां रुका है। गुरुदेव ने उसकी बातों को सुनकर कहा- मैं एक कहानी सुना रहा हूं, उसे गंभीरता से सुनना। इसमें ही तुम्हारी समस्या का समाधान छिपा है।

सामयिक

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

प्रहलाद सबनानी
मोबाइल : 9987949940

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है। भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है।

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अत: कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुन: सोने की चिड़िया बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है। भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अत: भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (केजीएफ) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुन: प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुन: स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था।

प्राचीन काल में में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अत: भारत का स्वर्णिम काल पुन: प्रारम्भ हो रहा है।

विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है। चीन एवं रूस स्वर्ण के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं फिर भी ये दोनों देश स्वर्ण का आयात भी जारी रखे हुए हैं। लगातार, पिछले 3 वर्षों से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक लगभग 1,000 टन स्वर्ण की खरीद प्रतिवर्ष कर रहे हैं। स्वर्ण की खरीदी का यह कार्य रुकने वाला नहीं है आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। अत: भारत सरकार द्वारा भी कोलार गोल्ड फील्ड में स्वर्ण के खनन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ भारत, रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण कर सकता है। साथ ही, स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत भी बढ़ती जाएगी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि ईश्वरीय कृपा से एवं उक्त कारणों के चलते भारत को विश्व में एक बार पुन: सोने की चिड़िया बनाया जा सकता है।

नजरिया

नीतियों के बावजूद क्यों प्यासी है भारत की धरती?

डॉ. सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

भारत की धरती पर जल का संकट एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर हैरानी होती है कि इतनी योजनाओं, घोषणाओं और नीतियों के बावजूद यह देश बूंद-बूंद के लिए क्यों तरस रहा है। जब कोई देश दुनिया की 18प्रतिशत जनसंख्या को समेटे हुए हो और उसके पास केवल 4प्रतिशत ताजे जल संसाधन हों, तो संकट की आशंका तो बनती है, पर यदि यही देश दशकों से जल संरक्षण और जल प्रबंधन की योजनाओं का ढोल पीटता हो और फिर भी सूखा, प्यास, और जलजनित बीमारियाँ उसके हिस्से में आएं - तो यह केवल प्राकृतिक संकट नहीं, यह नीति, प्रशासन और नागरिक चेतना की सामूहिक असफलता है। भारत में पानी की स्थिति को अगर आंकड़ों की भाषा में समझें, तो भयावहता साफ़ दिखाई देती है। नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपभोक्ता है - लगभग 25 प्रतिशत भूजल अकेले भारत निकालता है। 11प्रतिशत से अधिक भूजल खंड 'अत्यधिक दोहित' की स्थिति में हैं। दिल्ली, बेंगलूरु, हैदराबाद जैसे 21 प्रमुख शहरों के 2030 तक भूजल समाप्त होने की चेतावनी दी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर, 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हैं। फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और भारी धातुओं से दूषित यह जल 23 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित कर रहा है। हर साल लगभग 2 लाख मौतें सिर्फ जलजनित बीमारियों से होती हैं यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, यह हमारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

पानी का यह संकट केवल ग्रामीण इलाकों या गरीबों तक सीमित नहीं है। 2019 में जब चेन्नई जैसे आधुनिक शहर को ऊरू नशी का सामना करना पड़ा और जल ट्रेनें चलानी पड़ीं, तब यह साफ हो गया कि यह समस्या अब दरवाज़े पर नहीं, घर के भीतर आ चुकी है। और फिर भी हम इसे मौसमी समस्या मानकर हर बार भूल जाते हैं। सवाल यह है कि नीतियाँ तो बनीं - राष्ट्रीय जल नीति (2012), जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान - पर फिर भी पानी का स्तर क्यों गिरता जा रहा है? जवाब सरल है -

हमारी नीतियाँ ज़मीन पर नहीं उतरतीं, और हमारे व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आता।

आज भी देश के अधिकांश किसान पानी की फिजूलखर्ची करने वाली फसलों की खेती करते हैं। पंजाब और हरियाणा जैसे जल-संकटग्रस्त राज्य में धान और गन्ने की खेती केवल इसलिए होती है क्योंकि सरकार चड्झ और मुफ्त बिजली देती है। नतीजा - भूजल का तेज़ी से दोहन, खेतों का क्षरण, और जल स्रोतों का खत्म हो जाना। दूसरी ओर, ड्रिप सिंचाई या स्प्रिंकलर जैसे आधुनिक जल संरक्षण उपायों की पहुंच केवल 97 खेतों तक ही सीमित है। किसान जानते हैं, पर अपनाते नहीं - क्योंकि नीति और व्यवहार में दूरी है।

शहरों की बात करें तो पाइपलाइन से लेकर टंकी तक, हर जगह लीकेज और बर्बादी का आलम है। स्मार्ट मीटरिंग अभी भी अधिकांश नगरपालिकाओं के लिए नया शब्द है। पुन: उपयोगऔर वर्षा जल संचयन जैसे उपाय कहीं-कहीं दिखते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से अपनाए नहीं जाते। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जल संकट को अब भी केवल 'प्राकृतिक समस्या' समझा जाता है। जबकि यह एक स्पष्ट रूप से नीतिगत और नैतिक' संकट है। जब तक यह दृष्टिकोण नहीं बदलेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं होगी। अब समय आ गया है कि भारत पानी को मुफ्त संसाधन मानना बंद करे और उसे जीवन मूल्य की तरह देखे। इसके लिए कुछ गहन और ठोस सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, पानी की कीमत तय होनी चाहिए - चाहे वह पीने का हो, या सिंचाई का। मुफ्त पानी की संस्कृति ने उपभोग को बर्बादी में बदल दिया है। जल का मूल्य निर्धारण सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय विवेक के बीच संतुलन साध सकता है।

दूसरा, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को केवल योजना पत्रों से निकालकर ज़मीनी हकीकत बनाना होगा। इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण, सस्ती उपलब्धता, और स्थानीय स्तर पर सहायता तंत्र बनाना होगा। तीसरा, भूजल का प्रबंधन केवल सरकार का नहीं, ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों का भी कर्तव्य होना चाहिए। अटल भूजल योजना को इस दिशा में सफल मॉडल के रूप में बढ़ाया जा सकता है। चौथा, किसानों को केवल फसल बीमा या सब्सिडी नहीं, जल आधारित फसल मार्गदर्शन की ज़रूरत है। यह तभी होगा जब चड्झ का ढांचा जल संरक्षण के अनुकूल फसलों को बढ़ावा देगा। देश को ऐसे नीतिगत हस्तक्षेपों की ज़रूरत है जो किसान की आय भी बढ़ाएं और पानी की बचत भी करें। पाँचवां, शहरों में जल पुनर्चक्रण अनिवार्य किया जाए। जो नगर पालिकाएं नहीं करतीं, उन्हें दंड और प्रोत्साहन दोनों के माध्यम से बदला जाए। बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य हो, और इसके अनुपालन की निगरानी की जाए। छठा, बच्चों के स्कूली पाठ्यक्रम में जल संरक्षण को केवल पर्यावरण अध्याय के रूप में न पढ़ाया जाए, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के रूप में सिखाया जाए। यदि अगली पीढ़ी जल को 'कीमती' माने, तो आज की प्यास भविष्य की सूखी धरती को बचा सकती है। सातवां, जल संरक्षण को 'जन आंदोलन' बनाना होगा - जैसा प्रधानमंत्री ने आह्वान किया था। लेकिन यह आह्वान केवल भाषणों में नहीं, बजट और प्रशासनिक प्रतिबद्धता में दिखना चाहिए। जल शक्ति मंत्रालय को केवल नल जोड़ने वाला मंत्रालय नहीं, जल नीति, जल शिक्षा और जल चेतना का नेतृत्व करना होगा।

साथ ही, निजी क्षेत्र की भूमिका को भी समझना और बढ़ाना होगा। जल एटीएम, पाइपलाइन प्रबंधन, स्मार्ट मीटरिंग, और जल पुनर्चक्रण जैसी सेवाओं में झझझ मॉडल को बढ़ावा देकर न केवल निवेश लाया जा सकता है, बल्कि तकनीकी नवाचार भी हो सकते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण - हमें यह समझना होगा कि जल संकट केवल वैज्ञानिकों और नौकरशाहों का विषय नहीं है। यह आम नागरिक का संकट है। हर घर, हर हाथ को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि पानी को बर्बाद नहीं किया जाएगा, और हर बूंद का सम्मान होगा।

जलवायु परिवर्तन के इस युग में, जब बारिश की मात्रा अनिश्चित हो गई है, और हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं - हमें जल को अनंत' नहीं, बल्कि सीमित और 'नाजुक' संसाधन मानना होगा। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में जल को देवता का दर्जा मिला है - लेकिन विडंबना यह है कि आज वही जल नदियों में मल-मूत्र के रूप में बह रहा है, या गंदे नालों से होकर भूजल में जहर घोल रहा है। इसलिए आज का भारत केवल 'जल संकट' नहीं झेल रहा, बल्कि वह अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जल संकट में डूबा भारत, विकास के हर मोर्चे पर कमजोर पड़ता जाएगा - चाहे वह स्वास्थ्य हो, कृषि, उद्योग या सामाजिक समरसता। अंतत: यही कहा जा सकता है कि जल संकट केवल पानी की समस्या नहीं है - यह व्यवस्था, संस्कृति, शिक्षा और नीयत की भी परीक्षा है। यदि हमने अब भी नहीं संभला, तो इतिहास गवाह रहेगा कि हमने एक ऐसे संसाधन को खो दिया, जो जीवन का मूल था, और जिसकी एक-एक बूंद सोने से भी महंगी थी। अब वक्त आ गया है - नीतियों की बौछार से बाहर निकलकर बूंद-बूंद बचाने के व्यवहारिक आंदोलन को अपनाने का। क्योंकि आने वाले वर्षों में 'जल' ही 'राजनीति', 'आर्थिक ताकत' और 'सामाजिक न्याय' का सबसे बड़ा मुद्दा बनने वाला है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत में युवाओं में कैंसर के मामलों में वृद्धि का प्रमुख कारण बनता जा रहा है एचपीवी : डॉक्टर

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कई कैंसर रोग विशेषज्ञों ने 'ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि यह युवा भारतीयों विशेषरूप से 20 से 30 साल तक की उम्र के युवाओं में कैंसर के मामलों में वृद्धि का एक प्रमुख कारक बन रहा है। 'सर्वाइकल', मुंह के कैंसर और ऑरोफरींजियल (सिर व गले के) कैंसर के कई मामलों का संबंध एचपीवी संक्रमण (शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर मस्से बनना) से रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो भारत रोकथाम योग्य कैंसर संकट बन जाएगा। नई दिल्ली स्थित ऐमरिक्स कैंसर अस्पताल में मेडिकल ओंकोलॉजी के प्रमुख डॉ आशीष गुप्ता ने कहा, ''एचपीवी से संबंधित कैंसर अनुमान से कहीं पहले सामने आ रहे हैं। 20 की उम्र के आसपास के कई मरीजों में सर्वाइकल, मुंह और गले के कैंसर का पता चल रहा है, जिनमें से कई को समय पर टीकाकरण और उचित जागरूकता से पूरी तरह से टाला जा सकता था।''

डॉ गुप्ता ने कहा, ''सबसे दुखद बात यह है कि एचपीवी को रोका जा सकता है, फिर भी कई परिवारों और व्यक्तियों को इसके जोखिम के बारे में पता ही नहीं है।''

दशकों में विकसित होने वाले अन्य कैंसरों के विपरीत युवाओं में एचपीवी से संबंधित कैंसर अक्सर तेजी से और चुपचाप बढ़ते हैं। टीकाकरण और प्रारंभिक जांच के माध्यम से रोकथाम को किसी भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल के समान ही तत्परता से लिया जाना चाहिए। गुप्ता ने कहा, ''हमें एक केंद्रित, सामाजिक लोक लाज से मुक्त, देशव्यापी अभियान की आवश्यकता है जो स्कूलों, कॉलेजों और अभिभावकों तक पहुंचे।'' यह वायरस मुख्य रूप से त्वचा से त्वचा के संपर्क के माध्यम से फैलता है, दुनिया भर में सबसे आम यौन संचारित संक्रमणों में से एक माना जाता है। शरीर स्वत: अधिकतर एचपीवी संक्रमणों को साफ कर देता है, लेकिन कुछ उच्च जोखिम वाले 'स्ट्रेन' बने रह सकते हैं और कैंसर का कारण बन सकते हैं।

महिलाओं में, यह गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का प्रमुख कारण बनता है, जबकि पुरुषों और महिलाओं में समान रूप से यह अब मुख, गुदा और गले के कैंसर से जुड़ा हुआ है। विशेषज्ञ भारत में एचपीवी से संबंधी चर्चाओं को लेकर जागरूकता की कमी और सामाजिक लोक लाज को लेकर अधिक चिंतित हैं। जागरुकता और सामाजिक लोक लाज के कारण टीकाकरण की दर कम है और जांच का दायरा शून्य है। धर्मशिला नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के वरिष्ठ ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. शुभम गर्ग ने कहा, ''एचपीवी से संबंधित कैंसर के लक्षण शुरुआत में बहुत अधिक नहीं दिखते हैं। इसलिए नियमित जांच बहुत महत्वपूर्ण है। बिना किसी लक्षण वाली कम उम्र की महिला के गर्भाशय ग्रीवा में पहले से ही कैंसर की कोशिकाएं मौजूद रह सकती हैं। इसी तरह, पुरुषों में मुख के एचपीवी संक्रमण पर अक्सर तब तक किसी का ध्यान नहीं जाता जब तक कि वे पूर्ण विकसित ट्यूमर के रूप में सामने नहीं आते। शिक्षा, टीकाकरण और नियमित जांच के बिना हम रोकथाम योग्य कैंसर को अनियंत्रित रूप से फैलने दे रहे हैं।''

दर्शन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करती हुई।

अपने स्वर्ण भंडार को 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है आरबीआई

नई दिल्ली/भाषा। देश में हर घर की तरह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने की अहमियत को समझता है। यही कारण है कि वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है।

आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई (दो मई, 2025 की स्थिति के अनुसार चलन में कुल नोट का मूल्य 38.1 लाख करोड़ रुपए) है।

यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। 'आरबीआई अनलॉक्ड: बियॉन्ड द रुपी' शीर्षक से जारी पांच भाग वाली यह श्रृंखला जियो हॉटस्टार के साथ मिलकर शुरू की गयी है। इसमें पहली बार आरबीआई ने अपने 'गोल्ड वॉल्ट' (तिजोरी) को दिखाया है।

वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार, ''केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है।

पौधारोपण

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज अन्य लोगों के साथ रविवार को वाराणसी में एक पौधा लगाते हुए।

आपके आईफोन में छिपा है सोना?

एडिलेड।वर्ष 2022 में मनुष्य अनुमानित 6.2 करोड़ टन ई-कचरे की वजह बना और ये अपशिष्ट 15 लाख से अधिक कचरा ट्रकों के लिए पर्याप्त है। यह आंकड़ा वर्ष 2010 से 82 प्रतिशत अधिक था और 2030 में इसके बढ़कर 8.2 करोड़ टन होने की उम्मीद है।

इस ई-कचरे में पुराने लैपटॉप और फोन शामिल हैं, जिनमें सोने जैसी कीमती चीजें होती हैं। इनका एक चौथाई से भी कम हिस्सा ठीक से एकत्र कर पुनर्चक्रित किया जाता है। लेकिन मेरे और मेरे सहकर्मियों ने ई-कचरे से सोना निकालने के लिए एक नई तकनीक विकसित की है, जो इस ई-कचरे को निकालने की पूरी प्रक्रिया को बदलने में मदद कर सकती है।

इस नई तकनीक का वर्णन हमने आज 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में प्रकाशित एक नए पत्र में किया है। लंबे अरसे से सोना मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह सदियों से मुद्रा का एक रूप और कला और फैशन का माध्यम रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, रासायनिक निर्माण और एयरोस्पेस क्षेत्रों समेत आधुनिक उद्योगों में भी सोना आवश्यक है। दुनियाभर में सोने की बढ़ती मांग के मद्देनजर इसका खनन पर्यावरण के लिए हानिकारक है। वनों की कटाई और जहरीले रसायनों का उपयोग ऐसी दो समस्याएं हैं। बड़े पैमाने पर खनन में अयस्क से सोना निकालने के लिए अत्यधिक जहरीले साइनाइड का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

वहीं छोटे पैमाने और खनन के दौरान सोना निकालने के लिए पारे का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। इस तरीके से सोना पारे के साथ प्रतिक्रिया कर एक सघन मिश्रण बनाता है, जिसे आसानी से अलग किया जा सकता है। फिर पारे को वाष्पीकृत करने के लिए मिश्रण को गर्म करके सोना निकाला जाता है। छोटे पैमाने ओर खनन पृथ्वी पर पारा प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत है और पारा उत्सर्जन खनिकों के लिए खतरनाक और पर्यावरण को प्रदूषित करने का काम करता है।सोने के खनन के प्रभावों को कम करने के लिए नए तरीकों की आवश्यकता है।

वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की हमारी अंत:विषय टीम ने अयस्क और ई-कचरे से सोना निकालने की एक नई तकनीक विकसित की है, जिसका उद्देश्य पारा और साइनाइड का एक सुरक्षित विकल्प प्रदान करना तथा सोने के खनन से होने वाले स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना था। अयस्क या ई-कचरे से सोना निकालने के लिए पहले भी कई तकनीकें सामने लाई जा चुकी है, जिसमें पारा और साइनाइड-मुक्त विधियां शामिल हैं। हालांकि, इनमें से कई विधियां पैमाने और लागत के संबंध में सीमित रही हैं। अक्सर ये विधियां सोने को पूरे तरीके से निकालने के संबंध में होती हैं और इनमें पुनर्चक्रण और अपशिष्ट प्रबंधन को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इसके विपरीत, हमारे दृष्टिकोण ने सोने को निकालने और शोधन की पूरी प्रक्रिया में स्थिरता पर विचार किया। हमारी नई तकनीक में आमतौर पर 'ट्राइक्लोरोइसोसायन्यूरिक एसिड' का उपयोग किया जाता है। व्यापक रूप से उपलब्ध और कम लागत वाला ये रसायन नमक के पानी के साथ सक्रिय होता है और सोने के साथ प्रतिक्रिया कर इसे पानी में घुलनशील रूप में परिवर्तित कर सकता है। घोल से सोना निकालने के लिए, हमने सल्फर युक्त 'पॉलिमर सॉर्बेंट' का आविष्कार किया। 'पॉलिमर सॉर्बेंट' एक निश्चित पदार्थ को तरल या गैस से अलग करता है। हमारा 'पॉलिमर' घोल में मौजूद अन्य धातुओं से सोने को अलग कर सकता है।

कल्कि 2898 एडी का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात थी : अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का कहना है कि ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी का हिस्सा बनना उनके लिये सम्मान की बात थी। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित फिल्म कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 जून 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुयी थी। रिलीज के साथ ही कल्कि 2898 एडी ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमाई। क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से कल्कि 2898 एडी को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला ।

फिल्म की कहानी और विजुअल इफेक्टस ने भी दर्शकों को काफी प्रभावित किया। फिल्म भारत ही नहीं विदेश में भी अच्छा प्रदर्शन किया। इस फिल्म ने वर्ल्डवाईड 1200 करोड़ की कमाई की जब कल्कि 2898 एडी ने अपनी रिलीज़ का एक साल पूरा किया, तो अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर अपनी खास भूमिका अश्वत्थामा को याद करते हुए दिल से इस सफर को सेलिब्रेट किया।

इस मौके पर वैजयंती मूवीज़ ने एक खास पोस्टर शेयर करते हुए लिखा,हमने एक सपना देखा और आप सब ने उसे एक महाकाव्य बना दिया। कल्कि2898एडी को एक साल मुबारक। यह सफर जितना हमारा है, उतना ही आपका भी। अमिताभ बच्चन ने इसे रीपोस्ट करते हुए लिखा,इसका हिस्सा बनने के लिए कहा जाना ही मेरे लिए सम्मान की बात थी एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसे मैंने दिल से सराहा वैजयंती फिल्म्स और उनसे जुड़े सभी वरिष्ठों का आभार यदि दोबारा बुलाया गया, तो बिना सोचे शामिल हो जाऊंगा।

'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' में श्रीतमा मित्रा निभाएंगी डबल रोल

मुंबई/एजेन्सी

स्टार प्लस के पॉपुलर शो एडवोकेट अंजलि अवस्थी में अभिनेत्री श्रीतमा मित्रा डबल रोल निभाती नजर आयेंगी। 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' में हाल ही में 20 साल का लीप दिखाया गया है, जिसने कहानी में बड़ा और दमदार मोड़ ला दिया है। इस नए चैप्टर में इमोशंस, ड्रामा और इंस्पिरेशन की भरमार होगी, जहां अभिनेत्री श्रीतमा मित्रा डबल रोल में नजर आने वाली हैं। अब श्रीतमा न सिर्फ अंजलि अवस्थी का किरदार निभाएंगी, बल्कि उनकी बेटी आरती अंजलि अवस्थी का रोल भी निभाएंगी। आरती की एंट्री एक स्ट्रॉन्ग माइंडेड जर्नलिस्ट के तौर पर होगी, जो सिस्टम को हिला देने का दम रखती है। शो की नई कहानी में आरती समाज के लिए एक नई आवाज बनकर सामने आएगी, जो इंसाफ की लड़ाई लड़ती दिखेगी। ये ट्विस्ट शो को पहले से भी ज्यादा पावरफुल और दिलचस्प बना रहा है। स्टार प्लस का शो एडवोकेट अंजलि अवस्थी 30 जून से हर रात 8:25 बजे, सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

फिल्म 'छाया' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

प्रग्यामैटिक फिल्म प्रा. लिमिटेड के बैनर तले बन रही भोजपुरी फिल्म 'छाया' की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म छाया में पृथ्वी तिवारी और रक्षा गुप्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म छाया की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में हो रही है।

इससे स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों को भी अवसर मिल रहा है। इस फिल्म में सात गाने हैं। पृथ्वी तिवारी ने कहा, मुझे फिल्म की छाया शूटिंग करके बहुत अच्छा लग रहा है, खास कर यहां के दर्शक मुझे बहुत प्यार करते हैं। फिल्म की शूटिंग कुशीनगर में हो रही है, जो उत्तर प्रदेश के प्रमुख शूटिंग स्थलों में से एक है।

फिल्म छाया में पृथ्वी तिवारी, रक्षा गुप्ता, अंशु तिवारी, रोहित सिंह मटरू, अशोक गुप्ता, टी एन त्रिपाठी,प्रमोद पाण्डेय, अनुपमा यादव, मनोज द्विवेदी, रमेश यादव, रोहित श्रीवास्तव, विनोद तिवारी और चेतन सिंह और अन्य कलाकार हैं। इस फिल्म के निर्माता गौरव छाबड़ा और प्रियंका छाबड़ा है ,निर्देशक जसपाल ,सह निर्माता एहसास कंजीलाल , डीओपी कृष्णा पाण्डेय, प्रोजेक्ट डिजाइनर संदीप मिश्रा ,सहायक निर्देशक संजय तिवारी, राजेश अच्युतन, विशाल शर्मा हैं। कथा संदीप मिश्रा ,पटकथा संवाद संजय तिवारी, चंदन सिंह, संगीत मधुकर आनंद, रवि राज दीपू ,गीत रवि राज दिपु, प्रमोद पाण्डेय, संदीप मिश्रा का है।

पहाड़ों ने मुझे थाम लिया :शालिनी पांडे

मुंबई/एजेन्सी

'अर्जुन रेड्डी', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज' और 'डब्बा कार्टेल' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली शालिनी पांडे ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग मनाली की वादियों में पूरी की। शूटिंग खत्म होने के बाद, शालिनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक और आत्मीय पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने इस पूरे अनुभव को एक प्रेम-पत्र और कृतज्ञता से भरी डायरी की तरह बयां किया। उन्होंने तस्वीरों की एक खूबसूरत सीरीज शेयर करते हुए लिखा: मनाली के लिए एक छोटा सा लव लेटर मैंने यहाँ एक महीने बिताया, शूटिंग करते हुए, पहाड़ों की गोद में रहते हुए, और एक नई लय में खुद को ढालते हुए। मुझे अपने डॉग्स -ग और इखठकी बहुत याद आई। हर दिन। कभी-कभी ये चुप्पी भारी लगती थी... लेकिन धीरे-धीरे, मनाली ने मुझे थाम लिया। अजनबियों की चुप्पी में छिपी दया में, हिमाचली कुत्तों के प्यार में जो बस पास आकर बैठ जाते थे, सुबह की शांति

और देवदार की खुशबू में...

शालिनी ने आगे बताया कि 'अविर' नाम का एक छोटा कैफे, गौतम द्वारा बनाई गई नुटेला टोस्ट और अदरक-नींबू की चाय, सैम के स्टूडियो में मिट्टी से जुड़ाव, और 'मनाली स्ट्रेज़' जैसे एनिमल रेस्क्यू सेंटर इन सबने उनके दिनों को खास बना दिया। मैं एक एक्टर के तौर पर मनाली काम के लिए गई थी, लेकिन वापस लौट रही हूं एक भरे हुए दिल और अनगिनत यादों के साथ।

कुछ ऐसे पल जो मुझे फिर
से ज़मीन से जोड़ते हैं।
ऐसी जगहें जो मुझे याद
दिलाती हैं कि मैं कौन हूं।
और एक ऐसा शहर जो
बिना कुछ मांगे बहुत कुछ दे गया।
मनाली ने मुझे सिर्फ थामा नहीं... मुझे
हमेशा के लिए कुछ दे दिया।

इस पोस्ट में उन्होंने उन सभी लोगों और जगहों को भी टैग किया जिन्होंने उनकी इस यात्रा को खास बनाया। मनाली में बिताए इन भावनात्मक पलों के बाद, शालिनी अब 'राहु केतु' और जहान कपूर के साथ आने वाली फिल्म 'बैंडवाले' सहित कई प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी। अपने अभिनय सफर में वह दिल से जुड़े अनुभवों और ईमानदारी से भरे किरदारों के जरिए लगातार एक खास जगह बना रही हैं।

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं : सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'निकिता रॉय' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। कई फिल्मों में दमदार अदायगी से वाहवाही लूटने वाली सोना ने आईएएनएस से बातचीत में एक दबी हुई ख्वाहिश का भी इजहार किया! आईएएनएस ने जब उनसे पूछा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और क्या करना चाहेंगी, तो इस पर 'दबंग' अभिनेत्री ने कहा, वह इन दिनों ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें अलग तरह से चुनौती दें और उन्हें अलग-अलग तरीके से स्क्रीन पर पेश करें।

उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो मैंने पहले किया हो या ऐसा जो मैं अपनी नींद में कर सकती हूं, बल्कि मैं ऐसा किरदार चाहती हूं जो वास्तव में मुझे नई चुनौती दे और मुझे मेरे कंफर्ट से बाहर ले जाए। इसलिए मैं पिछले नौ सालों से अलग-अलग किरदार चुन रही हूं। वहीं, मुझे नई चीजें करना पसंद भी है और इसमें काफी मजा भी आता है। सोनाक्षी ने कहा, मैं एक पीरियड ड्रामा या बायोपिक करना पसंद करूंगी। मैंने हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज की है, लेकिन मैंने बायोपिक नहीं की है। इसलिए मैं इसे करना पसंद करूंगी।

इस बीच सोनाक्षी ने सन ऑफ सरदार सीक्वल का हिस्सा न होने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका

सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।

बता दें, अभिनेत्री साल 2012 में रिलीज फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में थी। साथ ही फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। इसमें एक्ट्रेस जूही चावला भी अहम किरदार में नजर आई थीं। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साल 2010 की तेलुगू फिल्म 'मर्यादा रमन्ना' की रीमेक थी। अब इसके सीक्वल में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी। वर्कफ्रंट की बात करें, तो सोनाक्षी की फिल्म निकिता रॉय 18 जुलाई को सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है। जिसमें उनके साथ परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर नजर आएंगे। साथ ही फिल्म में उनके भाई कुश सिन्हा बतौर निर्देशक शुरुआत करने जा रहे हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

योग हम भारत वासियों के लिए नया नहीं है यह अति प्राचीन है जब साधु संत ऋषि मुनि जंगलों में रहा करते थे तो वह योग और ध्यान के माध्यम से ही ईश्वर से जुड़ा करते थे उनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता था कि योग के माध्यम से अपने शरीर को जीवन को स्वस्थ कैसे रखें ताकि साधना कर सके साधनों से तो जीवन जिया जाता है लेकिन साधना से उसे जीवन का परम तत्व प्राप्त किया जाता है जिस उद्देश्य से हमने इस धरती पर जन्म लिया है।

दिखावा और आडम्बर से बचते हुए समाज विकास के लिए ठोस कार्यों को क्रियान्वित किया जाए : कमलमुनि 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन भवन में राष्ट्र संत कमल मुनिजी कमलेश ने चातुर्मास प्रवेश पर क्रांति का शंखनाद करते हुए कहा कि धार्मिक क्षेत्र में दिखावा, आडंबर, प्रदर्शन का सभी धर्म में स्पर्धा हो रही है। यह अत्यंत घातक है। उन्होंने कहा कि धर्म का निवास जहां सादगी सहजता सद्भाव का दिलों में धर्म का निवास होगा। उन्होंने कहा कि दिखावे आडंबर में करोड़ों रुपए बर्बाद हो रहा है। उसे शिक्षा चिकित्सा सेवा और परोपकार में लगा दे तो राम राज्य की स्थापना हो जाएगी।

मुनि कमलेश ने बताया कि एक तरफ कुपोषण की जनता शिकार हो रही है, शिक्षा, चिकित्सा, के लिए दम तोड़ रही है, गरीबी से जूझ रही है, दिखावे को देखकर उनका खून खौल रहा है। उनको समस्याओं से मुक्त करने सबसे बड़ा और धर्म उपासना नहीं हो सकती। भगवान महावीर ने प्राणी मात्र को समान अधिकार दिलाने की क्रांति की।

राष्ट्रसंत ने कहा की इस चातुर्मास में फिजूल खर्च पर अंकुश लगाते हुए 9 आइटम से ज्यादा खाने में नहीं बनाना चाहिए। धर्मस्थल पर प्लास्टिक थैली, डिस्पोजल, गुटका तंबाकू, पर प्रतिबंध वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए सबको समान प्यार, समान सम्मान, धर्म को सेवा सहयोग और संगठन के माध्यम से विकसित किया जाएगा।

नेहरू बाजार जैन भवन से राष्ट्रसंत कमल मुनिजी 'कमलेश', तपस्वी घनश्याम मुनिजी, सेवाभावी कौशल मुनिजी, कवि अक्षत मुनिजी, युवा मनीषी सक्षम मुनिजी हजारों की जनता के साथ मंगल प्रवेश की शोभायात्रा प्रारंभ हुई। उल्लेखनीय है कि आज ही मुनिश्री का साहूकार पेट चातुर्मास के लिए गरिमामय प्रवेश हुआ। राष्ट्रसंत की पदयात्रा में तमिलनाडु पुलिस प्रशासन कदम कदम पर श्रद्धा भक्ति और भावना के साथ समर्पित रहा। शोभायात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया। धर्मसभा और शोभायात्रा में चेनई उपनगरों के हजारों श्रावको और श्राविकायें उपस्थित थी।

चेनई के अनेक विशिष्ट लोग शोभायात्रा में शामिल थे जिसमें वृहतर महानगर पालिका के पार्षद राजेश 'रंगीला' मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मुनिश्री के विशाल शोभायात्रा के लिए आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था में अत्यंत ही सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ के महासचिव संजय पिंचा ने मुनिश्री के चातुर्मास को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक बनाने का भरोसा दिलाते हुए 10 जुलाई से प्रारंभ होने वाले चातुर्मास में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी।

संघ अध्यक्ष प्रकाश चंद खिवसरा ने चातुर्मास की तैयारियों की समीक्षा करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अंत में संघ महासचिव ने पधारे हुए सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा के लिए सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर) के तत्वावधान में रविवार को संघ द्वारा वार्षिक शिक्षा अनुदान राशि का वितरण किया गया। संघ के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल की अध्यक्षता में विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत जरूरतमंद छात्र छात्राओं को शैक्षणिक जरूरतों को देखते हुए सहायता राशि प्रदान की गई समारोह में संयोजन का कार्य संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष बबलू ललवाणी ने किया। उपस्थित सभीजनों का स्वागत संघ के उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल ने किया। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा ने कहा कि संघ गत बारह वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है, साल भर संघ शिक्षा में सहयोग करता आ रहा है, वार्षिक आयोजनों में शिक्षा अनुदान राशि का वितरण सबसे बड़ा विशाल आयोजन रहा है, इस वर्ष भी सेवा संघ अनेकों विद्यार्थि लाभान्वित कर रहा है। स्थानीय समुदाय के आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के अधिक जरूरत वाले छात्र छात्राओं का चयन संघ की कोर टीम जिसमें खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष टाइगर खारीवाल के नेतृत्व में टीम ने चयन किया जिनको रविवार को चेक प्रदान किए गए। टाइगर खारीवाल ने कहा कि आज श्रमण संघ के प्रथम आश्चर्य परम पूज्य श्री आत्मारामजी महाराज साहब का दीक्षा दिवस भी है जिसके उपलक्ष में ये आयोजन रखा गया है,श्रमण संघ के परम उपकारी गुरुदेव के पावन दीक्षा दिवस पर सेवा संघ शिक्षा में सहायता रूप से समाज को सुदृढ़ कर रहा है। संघ के महासचिव विक्रम छाजेड़ ने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में सेवा संघ शिक्षा खेलकूद और पर्यावरण के कार्यों को और भी अधिक प्रमुखता से सम्पन्न करने जा रहा है। धन्यवाद संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने ज्ञापित किया।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के जैन भवन में विराजित राष्ट्रीय संत श्री कमलमुनिजी 'कमलेश' से आशीर्वाद लेते हुए नारायण सेवा संस्थान उदयपुर शाखा तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष डॉ केशरसिंह राजपुरोहित गादाणा। संस्थान की ओर से एक पुस्तक मुनिश्री को राजपुरोहित ने भेंट की।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नागेंद्रन ने द्रमुक को 'अलोकतांत्रिक' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नीत सरकार को ''अलोकतांत्रिक'' बताते हुए रविवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को अपना झंडा फहराने के लिए भी काफी संघर्ष करना पड़ा। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को द्रमुक सरकार और पुलिस विभाग से बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में स्थिति ऐसी है कि भाजपा को अपना झंडा फहराने के लिए भी बड़ी जद्दोजहद का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार से लोकतांत्रिक तरीके से काम करने की अपेक्षा की जाती है।

तूत्तुक्कुडि जिले के श्रीवैकुंटम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कलवोय गांव में पार्टी का झंडा फहराने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, कई बाधाओं को पार करने के बाद ही कलवोय गांव में भाजपा का झंडा लहरा रहा है।

नागेंद्रन ने कहा कि उन्होंने आम जनता के साथ तूत्तुक्कुडि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' रेडियो प्रसारण को सुना और कलवोय गांव में पौधे भी लगाए।

सभा का अमृत जयंती वर्ष पर

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा द्वारा 75 वें स्वर्णिम, अमृत जयंती वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन तेरापंथ भवन, साहूकारपेट में रविवार को किया गया। नमस्कार महामंत्र के समुच्चारण के पश्चात विशेष अतिथि पार्षद राजेश जैन रंगीला, जैन महासंघ अध्यक्ष प्यारेलाल पीतलिया आदि ने शिविर का फीता खोलकर शिविर का शुभारम्भ किया। शिविर में लगभग 180 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञों की सलाह और नि:शुल्क चश्मों का लाभ उठाया। सभी का स्वागत अध्यक्ष अशोक खतंग ने किया।

इस शिविर में शुगर टेस्ट, मधुमेह नियंत्रण, हड्डियों की मजबूती, ईसीजी, हृदय, मस्तिष्क व गला कैंसर स्क्रीनिंग, न्यूरोपैथी, नेत्र, दंत, ईएनटी, त्वचा इत्यादी की निशुल्क जांचे की गई।

शिविर में जनरल मेडिसिन, हड्डी रोग, डायबिटोलॉजी, हृदय रोग, नेत्र चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फेफड़े रोग, त्वचा, गला, नाक, स्त्री रोग विशेषज्ञ समाज के डॉक्टर्स ने सहृदय, उदारमना भाव से निशुल्क सेवाएँ प्रदान की। शिविर संयोजक अशोक आई बोहरा के साथ डॉ कमलेश नाहर, डॉ सुरेश सकलेचा, संजय भंसाली टीम का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

अध्यक्ष अशोक खतंग और पदाधिकारियों ने अतिथिगणों, डॉक्टर्स, नर्सिंग टीम का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, एलीफेंटगेट के साथ तेरापंथ संघीय संस्थाओं के कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माधावरम् स्थित आदिनाथ आशीर्वाद अपार्टमेंट में आदिनाथ सामायिक ग्रुप के तत्वावधान में 27वें अन्नदान का आयोजन रविवार को राहगीरों के लिए किया गया। अन्नदान में हसमुख रांका, प्रेम बाफना, सुगन सांखला, प्रमोद बाफना एवं रणजीत रांका की देखरेख में इसके लाभार्थी अपार्टमेंट के रहवासी हरिकिशन, गोपाल, राजेंद्र एवं गोविंद भगत परिवार रहे।

चेन्नई के व्यक्ति से 2.26 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी, चार गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के एक निवासी को ऑनलाइन निवेश का झांसा देकर उससे दो करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई और इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उच्च लाभ के लालच में आकर व्यक्ति ने आईपीओ/शेयर खरीद में निवेश करने के लिए ऑनलाइन लिंक पर क्लिक किया और कई लेन-देन में 2.26 करोड़ रुपये जमा किए।

इसमें कहा गया कि पीड़ित को एक व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल किया गया और उसे निवेश पर उच्च रिटर्न का लालच देकर ठगा गया।

सुन्दरकांड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के सदस्यों ने रविवार को 1421वां सुन्दरकांड का पाठ कोयम्बटूर में पूनमचन्द मरोठी के निवास पर किया। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण के बाद शुरु हुआ। पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने पुनमचंद मरोठी के परिवार का आभार व्यक्त किया और सात्विक विचारों की प्रेरणा दी। मंडल द्वारा निस्वार्थ एवं निशुल्क रूप से पूरे तिरुपुर जिले में प्रत्येक रविवार को घर-घर जाकर भक्ति की मशाल जलाई जा रही है।

रत्नपुरी जैन धार्मिक पाठशाला के बच्चों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री रत्नपुरी श्वेतांबर मूर्तिपुजक जैन संघ, वॉटैक्स रोड के तत्वावधान में सोवनबाई मूलचंद बोहरा परिवार-जीवाणा के सहयोग से श्री रत्नपुरी जैन धार्मिक पाठशाला द्वारा एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें होनहार बच्चों को प्रोत्साहन स्वरुप पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही पाठशाला में निशुल्क सेवा देनेवाली शिक्षिका उषाबेन एवं ताराबेन का संघ द्वारा अनुमोदना एवं अभिनन्दन किया गया।

संघ के अध्यक्ष संघवी पुखराज पुनमिया द्वारा सबका स्वागत किया गया। संघ सचिव संघवी हीराचंद कांकरिया ने सुंदर संचालन करते हुए कहा कि धार्मिक अध्ययन एवं उत्तम संस्कार के लिए बच्चों को धार्मिक पाठशाला अवश्य भेजना चाहिए।

बच्चों को सुविधा कम दोगे तो चलेगा, परन्तु अगर वह संस्कार विहीन रह गया तो उसका ये भव ही नहीं आनेवाला भव भी अन्धकार मय हो जायेगा। डाक्टर रूपेश, विक्रमकुमार सहित संघ के अनेक वक्ताओं ने सभा को सम्बोधित किया एवं पाठशाला को ओर विकसित करने का आह्वान किया। संघ पदाधिकारियों द्वारा लाभार्थी परिवार का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया।

निष्कासित नेता ईश्चरप्पा ने भाजपा में वापसी के संकेत दिये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्लारी। भाजपा से निष्कासित नेता के.एस. ईश्वरप्पा ने रविवार को पार्टी में संभावित वापसी का संकेत देते हुए कहा कि ''भाजपा उनकी जिंदगी है'', और किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मिलने पर विचार कर रहे हैं और पार्टी के भीतर कुछ लोग उनकी वापसी के लिए भी तैयार हैं।

भाजपा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री ईश्वरप्पा को पिछले साल पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने और पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ बगावत करते हुए शिवमोग्गा से निर्दलीय के तौर पर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। ईश्वरप्पा प्रदेश भाजपा प्रमुख बी वाई विजयेंद्र और उनके पिता एवं वरिष्ठ नेता बी एस येदियुरप्पा पर उनके (ईश्वरप्पा) बेटे के.ई. कांतेश को हावेरी से टिकट देने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए चुनाव मैदान में उतर गये थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.